



हिन्दी साप्ताहिक

RNI NO.- DELHIN/2014/57983

क्राइम चेक टाइम्स

CRIME CHECK TIMES

हर खबर पर नज़र....

● वर्ष : 11

● अंक: 45

● नई दिल्ली, सोमवार 14 से 20 सितम्बर 2026

● पृष्ठ : 08

● मूल्य : 05 रुपए

एक नजर

मेथामफेटामीन तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पूर्वोत्तर में अब तक की सबसे बड़ी खेप जल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में मादक पदार्थ तस्करी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 231 किलोग्राम से अधिक मेथामफेटामीन की गोलिएं जब्त की हैं। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह क्षेत्र में इस मादक पदार्थ की अब तक की सबसे बड़ी जब्तों में से एक है। मंत्रालय ने बताया कि जब्त किए गए प्रतिबंधित सामान की बाजार में कीमत कई सौ करोड़ रुपये है। साथ ही मंत्रालय ने यह भी बताया कि चार ट्रकों को रोका गया और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मंत्रालय ने कहा, खुफिया जानकारी पर आधारित इस अभियान में समन्वित निगरानी और कई स्थानों पर एक साथ कार्रवाई की गई, जिसके परिणामस्वरूप मेथामफेटामीन की बड़ी खेप जब्त की गई। विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर डीआरआई अधिकारियों ने 15 सितंबर को असम और त्रिपुरा में कई स्थानों पर चार ट्रकों को रोका। इन ट्रक में मेथामफेटामीन गोलिएं की बड़ी खेप ले जाए जाने का संदेह था। मंत्रालय ने कहा, 'डीआरआई की समन्वित कार्रवाई में कुल 231.8 किलोग्राम संदिग्ध मेथामफेटामीन की गोलिएं जब्त की गईं और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। प्रतिबंधित पदार्थ को ले जाने में इस्तेमाल किए गए सभी चार ट्रक भी जब्त कर लिए गये हैं।

एनटीए बनाएगी विशेषज्ञों का पैनल, अनुभवी शिक्षकों से मांगे आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल टैस्टिंग एजेंसी ने राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए विषय विशेषज्ञों को अपने पैनल में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए अनुभवी शिक्षकों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों से आवेदन मांगे गए हैं। इन विशेषज्ञों की मदद से परीक्षा के लिए बेहतर और सटीक प्रश्न तैयार किए जाएंगे। साथ ही प्रश्नों की समीक्षा और जांच भी की जाएगी। विशेषज्ञ यह देखेंगे कि प्रश्न विषय की सही अवधारणाओं पर आधारित हों, भाषा स्पष्ट हो और उनका कठिनाई स्तर परीक्षा के अनुरूप हो। नेशनल टैस्टिंग एजेंसी के अनुसार विषय विशेषज्ञों की एक अहम जिम्मेदारी प्रश्नों में एकरूपता और निष्पक्षता बनाए रखना भी होगी। वे यह सुनिश्चित करने में मदद करेंगे कि प्रश्न निर्धारित पाठ्यक्रम और परीक्षा की रूपरेखा के अनुरूप हों। बहुभाषी परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए अनुवाद और भाषाई रूपांतरण में भी विशेषज्ञों की भूमिका रहेगी। उन्हें विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में प्रश्नों का सटीक और सहज रूपांतरण करना होगा, ताकि भाषा बदलने पर प्रश्न का मूल अर्थ प्रभावित न हो। एनटीए के इस पैनल के लिए सेवारत और सेवानिवृत्त शिक्षक, प्रोफेसर, स्कूल शिक्षक तथा विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ आवेदन कर सकते हैं। एनटीए ने स्पष्ट किया है कि आवेदकों के पास संबंधित विषय में स्पष्ट और प्रमाणित विशेषज्ञता होनी चाहिए। इच्छुक उम्मीदवार एनटीए के आधिकारिक पोर्टल के जरिए अपना रूचि पत्र जमा कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 9 अक्टूबर है। इस पहले के तहत विशेषज्ञ प्रश्न निर्माण, प्रश्नों की समीक्षा, मानकीकरण तथा बहुभाषी परीक्षा सामग्री तैयार करने जैसे कार्यों में योगदान देंगे। इससे राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए प्रश्नों की गुणवत्ता और मूल्यांकन प्रक्रिया को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

2014 से पहले भारत में हताशा और निराशा का माहौल था: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि वर्ष 2014 से पहले भारत में हताशा और निराशा का माहौल था। भ्रष्टाचार और कुशासन के कारण आम लोगों का मनोबल टूट चुका था। ऐसे हालात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार बनी। हमने विपरीत परिस्थितियों से घबराने के बजाय उनसे लड़ने का रोडमैप तैयार किया।

राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में दुनिया ने कोविड जैसी महाभारी का सामना किया और कई युद्ध भी देखे। इससे विश्व की अर्थव्यवस्था बहुत प्रभावित हुई। हमने हर आपदा को अक्सर भी बदला और आगे बढ़ते रहे। इसका परिणाम है कि भारत आज आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनने के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सबने देखा कि हम आज सीमा के पार जाकर भी दुजों का अंत कर रहे हैं। आज नक्सलवाद भी लगभग समाप्त हो चुका है। रक्षा मंत्री ने ये बातें



‘रामायण-एक महाकाव्य, अनेक कथाएं : भारत और दुनिया के उद्घाटन समारोह में कहीं। यह तीन दिवसीय सम्मेलन है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भारत एक सभ्यतागत लीडर बनकर उभरा है। आज पूरी दुनिया ‘योग दिवस’ मना रही है। भारत अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन जैसी पहलों के माध्यम से विश्व को नेतृत्व प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के लोकतंत्र की सफलता हो या फिर कल्याणकारी योजनाओं की सफलता, आज हम दुनिया के लिए प्रेरणास्रोत हैं। आज यूपीआई दुनिया की सबसे बड़ी वास्तविक समय भुगतान प्रणाली है और 10 से ज्यादा देश इसे अपना

चुके हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी ताकत हमारे युवा हैं। आज देश के युवा स्टार्टअप खड़े कर रहे हैं और यूनिकॉर्न कंपनियां बना रहे हैं। हमारे युवा अपने पुरुषार्थ से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। आज भारत अपने प्रयासों से पूरी दुनिया की उम्मीद बन गया है। भारत ने जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए तय किए गए कई लक्ष्य समय से पहले ही हासिल कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भगवान श्रीराम का मंदिर बनने में सात दशक क्यों लग गए। भगवान राम के ही अस्तित्व पर सवाल क्यों उठाए गए। यह तुष्टीकरण की राजनीति के कारण हुआ। भारत पर थोपी गई पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता की एक गलत अवधारणा के कारण यह हुआ। यह अवधारणा धर्म को राज्य और राजनीति के विरोधी के रूप में देखती है। यह विचार भारतीय जीवन-दृष्टि के अनुकूल नहीं है। आज भारत भगवान राम के गुणों को आदर्श मानकर आगे बढ़ रहा है।

सेवा से संकल्प अभियान: राजनाथ सिंह ने गिनाई मोदी सरकार की उपलब्धियां

नई दिल्ली, एजेंसी। आज भारत दुनिया के 100 से ज्यादा देशों की रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिस्टम में बदलाव और गुड गवर्नेंस के उदाहरण रक्षा क्षेत्र में देखे जा सकते हैं। 2014 की तुलना में रक्षा निर्यात में 56 गुना वृद्धि हुई है। रक्षा उपकरणों के उत्पादन में 4 गुना वृद्धि हुई है और यह लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 'सेवा से संकल्प अभियान' पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और सरकार के प्रमुख के रूप में उनके 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा 2014 से पहले भी भारत के पास मैनापॉवर की कमी से यह शक्ति अपनी पूरी क्षमता पर काम नहीं कर रही थी। पीएम मोदी ने इन दोनों शक्तियों को पूरी क्षमता से काम करने के लिए एक इकोसिस्टम दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस इसलिए खास है, क्योंकि उनके जन्मदिन के बीस दिन बाद, यानी 7 अक्टूबर को वे सरकार के प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे करेंगे। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई उनकी सेवा यात्रा को 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब यूपीआई की



शुरूआत की गई तो बहुत लोगों को लग रहा था कि यह पहल सफल नहीं होगी। पिछले महीने ही यूपीआई को 10 साल पूरे हुए हैं। सिर्फ अगस्त महीने में यूपीआई से 23.66 अरब लेनदेन हुए, जिनकी कीमत 29.88 लाख करोड़ रुपए रही। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने यूपीआई की तारीफ करते हुए कहा था कि यूपीआई केवल तकनीकी कहानी नहीं है, बल्कि यह एक सभ्यतागत कहानी है। यूपीआई अब दुनिया के कई देशों में सक्रिय है। राजनाथ सिंह ने कहा कि यह गर्व की बात है कि इस वर्ष पहली बार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से 'वंदे मातरम्' के सभी छह अंतरे गाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के जीवन के पिछले 25 वर्षों को अगर एक शब्द में

समेटना हो तो वह शब्द है 'सेवा'। पद बदला, दायित्व बढ़ा, भूमिका बदली, चुनौतियां बढ़ीं। लेकिन उनके जीवन का 'स्वच्छ पहले, स्वयं बाद में' का मूल भाव नहीं बदला। राजनाथ सिंह ने कहा कि एक अच्छा नेता वह नहीं होता है जो सिर्फ सरकार बनाने पर ध्यान केंद्रित करे, बल्कि वह होता है जो लोगों का भविष्य बेहतर करने पर अपना ध्यान केंद्रित करे। एक अच्छा नेता चुनावी जीत के लिए लोकलुभावन फैसले नहीं लेता, बल्कि मतदाताओं के जीवन को बेहतर करने के लिए साहसिक और दूरगामी फैसले लेता है। बड़े बदलाव के लिए अच्छी नीति के साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति भी चाहिए। नानादेश के साथ अपने विश्वास पर हड़ रहने का साहस भी चाहिए। राजनाथ सिंह का कहना था कि बड़े

दृष्टिकोण के साथ अच्छा क्रिया-व्यवन भी चाहिए। आज के विरोध से विचलित न होकर बेहतर कल के लिए फैसले लेने की क्षमता भी होनी चाहिए। पीएम मोदी ने हमेशा इसी दृष्टिकोण, इच्छाशक्ति, हड़ विश्वास, साहस और व्यापक उद्देश्य के साथ काम किया है। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वही दृढ़ता, निर्भीकता, इच्छाशक्ति और दूरदर्शिता दिखती है, जो गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में दिखती थी। उन्होंने कहा कि जो बैंक कभी खराब ऋण के बोझ तले दबे हुए थे, आज वही मजबूत वित्तीय स्थिति के साथ देश की आर्थिक वृद्धि को गति दे रहे हैं। इसी तरह पीएम मोदी के दृष्टिकोण की बात करें तो 'स्वच्छ भारत मिशन' को ही देख लीजिए। इसका फायदा सिर्फ इतना नहीं हुआ कि देश में शौचालय बने, सफाई बढ़ी और खुले में शौच समाप्त हुआ। राजनाथ सिंह ने कहा कि 2014 के बाद नौ राज्यों में पहली बार भाजपा के मुख्यमंत्री बने हैं। आज 20 से अधिक राज्यों में हमारी सरकार है। जनता लगातार और बार-बार मोदी के नेतृत्व को स्वीकार भी कर रही है और समर्थन भी दे रही है। 'सेवा से संकल्प अभियान' पर उन्होंने कहा कि यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को सेवा, सहयोग और जनभागीदारी से जोड़ने का एक हड़ संकल्प है।

छत्तीसगढ़: झीरम घाटी हमले में 10 दोषियों को मौत की सजा

एनआईए ने मामले में कुल 39 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था

जगदलपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित झीरम घाटी हमले के मामले में एनआईए की विशेष अदालत, जगदलपुर ने प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के 10 दोषी कैडरों को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने सभी 10 आरोपियों को विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया।

एनआईए के मुताबिक, इससे पहले 5 सितंबर 2026 को ट्रायल कोर्ट ने 10 आरोपियों को दोषी करार दिया था और सजा की अवधि पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। बुधवार को अदालत ने सभी 10 दोषियों को मृत्युदंड सुनाया।

कॉंकरोच जनता पार्टी का 'आदिवासी स्कूल ठीक करो' अभियान, सुविधाओं की कमी पर उठाए सवाल

नागपुर, एजेंसी। महाराष्ट्र में आदिवासी स्कूलों की स्थिति को लेकर कॉंकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दिपके ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासी बच्चों को स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं, पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था, दवाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस दौरान दिपके ने दावा किया कि पिछले दो वर्षों में महाराष्ट्र के आश्रम स्कूलों में 590 से अधिक बच्चों की मौत हुई है।

अभिजीत दिपके ने कहा कि उनकी पार्टी आदिवासी स्कूलों की स्थिति को लेकर छआदिवासी स्कूल ठीक करो! अभियान शुरू करने जा रही है। पिछले कुछ दिनों में आदिवासी बच्चों और उनके स्कूलों की जो स्थिति सामने आई है, वह बेहद चिंताजनक है। कई आदिवासी स्कूलों की इमारतों और वहां उपलब्ध सुविधाओं की स्थिति ऐसी है कि वे बच्चों के पढ़ने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। जिन परिस्थितियों में आदिवासी बच्चे शिक्षा हासिल करने के लिए मजबूर हैं, वहां बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी दिखाई देती है।

उन्होंने स्कूलों में बच्चों के रहने और सोने की व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। दिपके ने कहा कि कई जगह बच्चों को जमीन पर सोना पड़ता है और पर्याप्त बेड उपलब्ध नहीं हैं। ऐसी परिस्थितियों के कारण बच्चों को साप के काटने जैसी घटनाओं का भी सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र के



मामला 25 मई 2013 को छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के दरभा थाना क्षेत्र में एनएच-221 स्थित झीरम घाटी में कांग्रेस की 'परिवर्तन यात्रा' के काफिले पर हुए सुनियोजित माओवादी हमले से जुड़ा है। एनआईए की जांच के अनुसार, प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के सशस्त्र कैडरों ने स्थानीय समितियों और डिवीजनों के साथ मिलकर वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और सुरक्षा बलों के जवानों को निशाना बनाने की



आश्रम स्कूलों में पिछले दो वर्षों के दौरान 590 से अधिक बच्चों की मौत हुई है। उन्होंने खाल उठाया कि यदि इसी बड़ी संख्या में बच्चों की मौत हुई है तो इसके कारणों और स्कूलों में उपलब्ध बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं हो रही हैं। भोजन, स्वास्थ्य सुविधाओं और रहने की व्यवस्था में कमी का सीधा असर बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर पड़ सकता है।

बालाघाट क्षेत्र का जिक्र करते हुए दिपके ने कहा कि वहां पिछले तीन महीनों में 30 से अधिक बच्चों की मौत हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार जनवरी से अब तक 100 से अधिक बच्चों की मौत हुई है और इस मुद्दे पर पर्याप्त चर्चा नहीं हो रही है। दिपके ने आदिवासी स्कूलों में स्वास्थ्य सुविधाओं और बेहतर अवसर हासिल कर सके। इसी उद्देश्य से हमारी पार्टी आदिवासी स्कूलों की वास्तविक स्थिति को सामने लाने और उनमें सुधार की मांग को लेकर अभियान शुरू कर रही है।

ने मृतकों और घायलों से हथियार एवं गोला-बारूद, वांकी-टॉकी सेट, मोबाइल फोन और अन्य सामान भी लूट लिया था।

एनआईए ने मामले में कुल 39 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। इनमें नौ आरोपियों के खिलाफ पहला आरोपपत्र 25 सितंबर 2014 को और 30 आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोपपत्र 28 सितंबर 2015 को दाखिल किया गया था। शुरूआती मुकदमे में 10 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई पूरी हुई और अभियोजन पक्ष की ओर से 101 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। आरोपपत्र दाखिल किए गए आरोपियों में से एक की न्यायिक हिरासत के दौरान मौत हो गई थी।

एनआईए की जांच में सामने आया कि माओवादी कैडरों ने संगठन के टैक्टिकल काउंटर ऑफिसिव कैपेन के तहत परिवर्तन यात्रा के काफिले में मौजूद वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और सुरक्षाकर्मियों पर हमला कर उन्हें निशाना बनाने की साजिश रची थी।

भारत-अमेरिका संयुक्त युद्धाभ्यास में एम-777 अल्ट्रा लाइट हॉवित्जर तोप का प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्धाभ्यास' चल रहा है। बुधवार को इस सैन्य अभ्यास में एम-777 अल्ट्रा लाइट हॉवित्जर तोप को लेकर विशेष गतिविधियां आयोजित की गईं। दोनों सेनाओं का यह अभ्यास 16 सितंबर को राजस्थान की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में हुआ। यहां एम-777 अल्ट्रा लाइट हॉवित्जर की तैनाती से जुड़ी गतिविधियां रहीं।

इस दौरान दोनों देशों के सैन्य कर्मियों ने तोप की तैनाती और संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का प्रदर्शन किया। गतिविधि के तहत एम-777 अल्ट्रा लाइट हॉवित्जर की दिन के समय तैनाती पर व्याख्यान व प्रदर्शन किया गया। इसमें सैन्य कर्मियों की जिम्मेदारियों, तोप की तैनाती की प्रक्रिया और स्थानीय रक्षा के समन्वय से जुड़े पहलुओं को समझाया गया। प्रदर्शन के दौरान जवाबी गोलाबारी की स्थिति में वैकल्पिक स्थानों पर स्थानांतरण की प्रक्रिया पर भी ध्यान दिया गया। इसके साथ ही 'शूट एंड



स्कूट' अभ्यास किया गया। इस प्रक्रिया में निर्धारित कार्रवाई के बाद तोप को तेजी से उसकी स्थिति से हटाने की क्षमता पर जोर दिया जाता है। इस गतिविधि ने भारतीय और अमेरिकी सेना के जवानों को एक-दूसरे के अनुभवों और कार्यप्रणालियों को समझने का अवसर दिया। दोनों पक्षों के सैन्य कर्मियों के बीच संवाद हुआ और सैन्य अभियानों से जुड़े बेहतर तौर-तरीकों का आदान-प्रदान किया गया।

गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच युद्ध अभ्यास का 22वां संस्करण मंगलवार को शुरू हुआ है। यह अभ्यास उत्तराखंड के बर्फीले पहाड़ी क्षेत्र औली से लेकर राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज तक एक साथ जारी

है। अभ्यास में भारत और अमेरिका के करीब 600-600 सैन्यकर्मि हिस्सा ले रहे हैं। इस अभ्यास में आधुनिक तकनीक भी केंद्र में है। सैनिक निगरानी और टोह लेने के लिए ड्रोन और स्वायत्त प्रणालियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में आधुनिक हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

दोनों सेनाओं के विशेषज्ञ उभरती सैन्य तकनीकों और बहु-क्षेत्रीय युद्धकला में हो रहे बदलावों पर भी चर्चा कर रहे हैं। इस दौरान रणनीति, तकनीक और संचालन प्रक्रियाओं को साझा किया जा रहा है। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक इससे दोनों सेनाओं के बीच आपसी तालमेल और संयुक्त अभियानों की क्षमता को और मजबूती मिलेगी।

1000 गज जमीन का विवाद बना खूनी गैंगवॉर !

3 हत्याओं के बाद अब जिम ट्रेनर विजय कुमार की हुई हत्य

शिखा
दिल्ली: आधा नगर में जिम ट्रेनर विजय कुमार की हत्या ने इलाके को हिलाकर रख दिया है। पुलिस इस हत्याकांड को करीब एक हजार गज जमीन के विवाद से जुड़े गैंगवॉर से जोड़कर देख रही है। इस विवाद में अब तक तीन हत्याएं हो चुकी हैं और गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। विजय कुमार की पत्नी रितु के मुताबिक, 8 सितंबर को ही विजय ने उनके साथ अपना जन्मदिन मनाया था। इसी दौरान रितु ने पुरानी रंजिश को देखते हुए विजय को कुछ दिनों के लिए कहीं और चले जाने की सलाह दी थी। उन्हें डर था कि विजय के साथ कोई अनहोनी हो सकती है। लेकिन विजय ने उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। उनका कहना था कि उनका किसी से कोई झगड़ा नहीं है।

12 सितंबर की सुबह विजय रोज की तरह करीब 4 बजे घर से



जिम के लिए निकले। सुबह करीब 8:30 बजे उनकी पत्नी से फोन पर बात हुई। विजय ने घर पर खाना बनाने के लिए कहा। इसके बाद 10 बजे से पहले आखिरी बार फोन पर बातचीत हुई, जिसमें विजय ने कहा था कि वह हुक्का लेकर आ रहे हैं। इसके बाद वह

घर वापस नहीं लौटे। कुछ समय बाद उनकी हत्या की खबर सामने आई। पुलिस के मुताबिक, आधा नगर में यह विवाद दो पुराने दोस्तों अरुण लोहिया और दीपक लोहिया के बीच शुरू हुआ था। दोनों सझेदारी में प्रॉपर्टी का कारोबार करते थे। करीब एक हजार गज

जमीन को लेकर 2023 में दोनों के बीच विवाद शुरू हुआ। पंचायत के जरिए मामला सुलझाने की कोशिश हुई, लेकिन विवाद खत्म नहीं हुआ।

पुलिस का दावा है कि अप्रैल 2024 में दीपक और उसके साथियों ने अरुण की पिटाई की थी। इस

मामले में हत्या के प्रयास का केस दर्ज हुआ। बाद में 15 मई 2025 को साकेत कोर्ट में सुनवाई के बाद घर लौट रहे अरुण पर छतरपुर मेट्रो स्टेशन के पास गोलियां चलाई गईं, जिसमें उसकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने दीपक समेत कई आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की। इसके बाद 30 नवंबर 2025 को आधा नगर में दीपक के पिता रतन लोहिया की ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इसे अरुण की हत्या का बदला बताया। जांच में जेल में बंद और विदेश में मौजूद कथित गैंगस्टरों की भूमिका भी सामने आने की बात कही गई। अब विजय कुमार की हत्या को भी इसी गैंगवॉर से जोड़कर जांच की जा रही है। इलाके में तनाव को देखते हुए सुरक्षा बढ़ाई गई है। हालांकि विजय की हत्या की असली वजह और इसमें शामिल लोगों की भूमिका जांच पूरी होने के बाद ही साफ होगी।

16 साल की नाबालिक की दुष्कर्म के बाद हत्या

खेत में मिला शव, तीन नाबालिग समेत चार आरोपी हुए गिरफ्तार

शिखा
दिल्ली: स्वरूप नगर में 16 साल की एक लड़की के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म और हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, लड़की की हत्या के बाद उसका शव एक खुले खेत में फेंक दिया गया। मामले में पुलिस ने तीन नाबालिगों और 19 साल के एक युवक को हिरासत में लिया है। पुलिस अब सभी आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।

तीन आरोपियों ने किया दुष्कर्म, जबकि चौथे ने दिया हत्या में सहयोग

पुलिस के अनुसार, शुरूआती जांच में सामने आया है कि चारों संदिग्ध किसी न किसी रूप में वारदात से जुड़े थे। पुलिस का दावा है कि इनमें से तीन आरोपियों ने लड़की के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया। इसके बाद लड़की की हत्या कर दी गई और शव को स्वरूप नगर इलाके के एक खुले खेत में फेंक दिया गया। मामले में पकड़े गए 19 वर्षीय आरोपी ने पुलिस के सामने दावा किया है कि वह लड़की के साथ हुए कथित यौन अपराध में शामिल नहीं था, लेकिन हत्या में उसकी भूमिका थी। हालांकि, पुलिस ने उसके इस दावे को अभी अंतिम रूप से स्वीकार नहीं किया है। जांच अधिकारी उसके बयान और दूसरे उपलब्ध सबूतों की जांच कर रहे हैं, ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि वारदात में किसकी क्या भूमिका थी।

पुलिस की कार्रवाई

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि चारों संदिग्धों को आपस में क्या भूमिका थी और घटना से



पहले तथा बाद में उनकी गतिविधियां क्या थीं। जांच के दौरान पुलिस सभी आरोपियों के बयानों का मिलान कर रही है और मामले से जुड़े अन्य सबूतों की भी जांच की जा रही है। क्योंकि मामले में तीन आरोपी नाबालिग हैं, इसलिए उनके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया किशोर न्याय कानून के तहत आगे बढ़ाई जाएगी। वहीं, 19 साल के आरोपी के खिलाफ उसकी उम्र के अनुसार कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच अभी जारी है और प्रत्येक आरोपी की भूमिका को अलग-अलग तरीके से सत्यापित किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि वारदात में कौन किस स्तर तक शामिल था। स्वरूप नगर की इस घटना ने इलाके में चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और घटनाक्रम से जुड़े सभी पहलुओं को खंगाला जा रहा है।

आनंद विहार में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग

दोनों हाथों में पिस्टल लेकर 14 से ज्यादा गोलियां चलाने वाला शार्प शूटर हुआ गिरफ्तार

शिखा
दिल्ली: आनंद विहार के कड़कड़डूमा इलाके में कम्युनिटी सेंटर के बाहर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कथित शार्प शूटर अदनान को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि अदनान ने अपने साथी के साथ मिलकर दोनों हाथों में पिस्टल लेकर 14 से ज्यादा गोलियां चलाई थीं। इस फायरिंग में दो युवक घायल हो गए थे। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल पिस्टल और स्कूटर भी बरामद कर लिया है। वहीं, उसके साथी मुजमिल उर्फ मौनू की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस के मुताबिक, यह घटना गुरुवार देर रात कड़कड़डूमा कम्युनिटी सेंटर के बाहर हुई थी। शुक्रवार तड़के करीब 3:42 बजे आनंद विहार पुलिस को हेडगेवार अस्पताल से



दो युवकों के घायल अवस्था में भर्ती होने की सूचना मिली थी। घायलों की पहचान गाजियाबाद के मुरादनगर निवासी अफसर उर्फ बादशाह और ओल्ड सीलमपुर निवासी मोहम्मद इरशाद कुरैशी के रूप में हुई।

मोहम्मद इरशाद ने पुलिस को बताया कि वह रात करीब 1:30 बजे अपने दोस्तों के साथ हाइपर कैफे से बाहर निकला था। इसी दौरान स्कूटर पर सवार दो नकाबपोश वहां पहुंचे। आरोप है

कि पीछे बैठे शूटर ने दोनों हाथों में पिस्टल लेकर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान 14 से ज्यादा गोलियां चलाए जाने की बात सामने आई है। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी दोनों हाथों में पिस्टल लेकर लगातार फायरिंग करता हुआ दिखाई दिया। फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान करने की कोशिश शुरू की और मामले की जांच के लिए कई

टीमें गठित की गईं। पुलिस ने घायलों, उनके दोस्तों और हाइपर कैफे के संचालकों से भी पूछताछ की। जांच के दौरान पुलिस को अदनान के बारे में सुराग मिला, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी निशानदेही पर फायरिंग में इस्तेमाल पिस्टल और स्कूटर बरामद किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर फायरिंग के पीछे वजह क्या थी और इस वारदात की साजिश किसने रची थी।

शिखा
दिल्ली: कैलाश हिल्स से घरेलू सहायिका मीना हलदार की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस ने त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष गुप्ता के खिलाफ 340 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। पुलिस का दावा है कि मीना की हत्या काम में ढिलाई और डॉक्टर की बातों की बजाय उनकी पत्नी के निदेशों को प्राथमिकता देने को लेकर हुए विवाद के बाद की गई। पुलिस के मुताबिक, 18 जून को करीब साढ़े 10 बजे मीना हलदार रोज की तरह गुप्ता परिवार के घर काम करने पहुंची थीं। उस समय डॉक्टर की पत्नी अपने क्लीनिक के लिए जा चुकी थीं, जबकि उनका 18 वर्षीय बेटा कमरे में सो रहा था। वर्षों से अपने क्लीनिक की सफाई करने को कहा था, क्योंकि सुबह 11 बजे तक उन्हें ग्राहक आने वाले थे। लेकिन जब कुछ देर बाद क्लीनिक साफ नहीं मिला तो डॉक्टर कथित तौर पर नाराज हो गए और मीना को डांटने लगे।

दौड़ा-दौड़ा का उतारा मीना



को मौत के घाट

पुलिस का आरोप है कि इसके बाद डॉक्टर ने मीना को छत पर बने स्टोर रूम की सफाई करने के लिए कहा। जैसे ही मीना वहां पहुंची, डॉक्टर ने कथित तौर पर बल्ले से उनके सिर पर हमला किया। पुलिस के मुताबिक, मीना वहां से भागने में कामयाब हुईं, लेकिन डॉक्टर ने उनका पीछा किया और छत पर उनकी गर्दन पर चाकू से कई बार किए। सुबह करीब 11 बजेकर 40 मिनट पर एक पड़ोसी ने मीना को छत पर

परिवार की ओर से मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी दलील भी दी गई थी। हालांकि पुलिस का कहना है कि मनोचिकित्सकीय मूल्यांकन और पुराने मेडिकल रिकॉर्ड की जांच में ऐसा कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला, जिससे हत्या के पीछे इस वजह को जोड़ा जा सके। चार्जशीट में कुल 43 गवाहों के बयान शामिल किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी के कपड़ों से मिले खून के नमूने के मीना के खून से मेल खाने का भी दावा किया है। मामला फिलहाल अदालत में विचारार्थीन है और आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं। हालांकि, आरोपी के वकील कमल नयन तिवारी ने पुलिस की पूरी थ्योरी को खारिज किया है। उनका कहना है कि पुलिस पहले काला जादू से जुड़ी थ्योरी को बात कर रही थी और अब हत्या की वजह कुछ और बता रही है। वकील ने यह भी दावा किया कि छत पर पहुंचने के कई रास्ते हैं और कोई प्रत्यक्षदर्शी यह नहीं कहता कि डॉक्टर ने हत्या की।

दिसंबर तक 600 किलोमीटर सड़कों की मरम्मत करेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। बारिश के दौरान खराब हुई दिल्ली की लगभग 600 किलोमीटर लंबी सड़कों की मरम्मत का कार्य लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा आगामी दिसंबर माह तक पूरा किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने गुरुवार रात दक्षिण दिल्ली में चल रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सड़क मरम्मत का काम फिर से शुरू हो गया है और सरकार दिसंबर तक 600 किलोमीटर सड़कों की मरम्मत करने का लक्ष्य रखा गया है।

जानकारी के अनुसार पिछले कुछ महीनों में सड़क मरम्मत की परियोजनाएं पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते रुक गई थीं। युद्ध के कारण बिटुमेन (सड़क बनाने में इस्तेमाल होने वाला पेट्रोलियम का एक बाय-प्रोडक्ट) की कीमतें बढ़ गई थीं। लेकिन हाल ही में, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इस साल अप्रैल से नवंबर तक शुरू होने वाले सभी परियोजनाओं के लिए लागत बढ़ने के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है।

प्रवेश साहिब सिंह ने गुरुवार देर रात कहा कि युद्ध की स्थिति के कारण बिटुमेन की सप्लाई पर असर पड़ा और इसकी कीमतों में भी काफी बढ़ोतरी हुई। इससे काम में देरी हुई, लेकिन हमने दोबारा से टेंडर जारी किया है और नए सिरि से काम शुरू किया है। सड़क बनाने और दोबारा सहद बनाने का काम संदिग्धों में करना मुश्किल होता है, इसलिए दिसंबर तक 600 किलोमीटर सड़कों का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और चुनी गई सड़कों पर तेजी से काम चल रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर दिल्ली में मेगा ब्लड डोनेशन कैंप, सीएम रेखा गुप्ता ने किया रक्तदान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में रक्तदान किया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, जनसेवा पर आपके लगातार जोर से प्रेरित होकर, हमने आज कई सरकारी पहल शुरू की हैं, जिनमें एक ब्लड डोनेशन कैंप भी शामिल है, जिसमें दिल्ली के हजारों लोग हिस्सा लेने वाले हैं। इसके अलावा, हम अंगदान के लिए एक सरकारी प्लेटफॉर्म लॉन्च कर रहे हैं और मैं व्यक्तिगत रूप से इस पोर्टल पर पहली डोनर बन्गूी। रेखा गुप्ता



ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर दिल्ली सरकार ने यहां एक ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित किया है।

जिसमें 2,500 यूनिट ब्लड इकठ्ठा करने का लक्ष्य है। यह मेगा

दिल्ली से गुजरात तक फैले नार्को-एक्सटॉर्शन नेटवर्क पर कार्रवाई, 12 करोड़ की हेरोइन बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से गुजरात तक फैले नार्को-एक्सटॉर्शन नेटवर्क पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बड़ा शिकंजा कसा है। दिल्ली पुलिस और गुजरात क्राइम ब्रांच के जॉइंट ऑपरेशन में 2 किलो पाकिस्तानी मूल की हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी कीमत करीब 12 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस कार्रवाई में रोहित गोदारा और महेंद्र डेलाना गैंग से जुड़े एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 31 साल के कुलदीप स्वामी के रूप में हुई है, जो राजस्थान के चुरू का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, कुलदीप स्वामी एक बड़े नार्को-एक्सटॉर्शन मॉड्यूल



का हिस्सा था और गुजरात के वडोदरा में दर्ज करीब 10 करोड़ रुपए के हाई-प्रोफाइल एक्सटॉर्शन केस में वॉन्टेड था। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2 किलो हाई-क्वालिटी हेरोइन, एक मारुति स्विफ्ट डिजायर कार और हवाला टोकन वैरिफिकेशन में इस्तेमाल होने वाला करेंसी नोट बरामद किया है।

खास बात यह है कि बरामद कार में एक सीक्रेट कैबिटी भी बनाई गई थी, जिसका इस्तेमाल नशे की तस्करी के लिए किया जाता था।

पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। जांच में इस नेटवर्क के तार गैंगस्टर रोहित गोदारा और महेंद्र डेलाना से जुड़े होने के साथ-साथ पाकिस्तान से जुड़े नारकोटिक्स लिंक की भी जांच की जा रही है।

पुलिस को शक है कि यह गैंग नशे की तस्करी से मिले पैसों से एक्सटॉर्शन और अन्य अपराधों को अंजाम दे रहा था। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और उसके बाकी साथियों की तलाश की जा रही है।

दिल्ली की संकरी सड़कों पर दौड़ेंगी मोबाइल ट्रेफिक यूनिट, जाम से निपटने की नई पहल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की संकरी और भीड़भाड़ वाली सड़कों पर यातायात जाम की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली यातायात पुलिस ने नई पहल शुरू की है। यातायात क्षेत्र-1 की अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विजयंता गोयल आर्या ने बुधवार को विशेष मोबाइल यातायात गश्ती दलों को रवाना किया। ये दल उन संकरे और अंदरूनी मार्गों पर तैनात रहेंगे, जहां सामान्य गश्ती वाहन आसानी से नहीं पहुंच पाते। जाम की स्थिति में ये दल तत्काल मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था सुचारु बनाने में मदद करेंगे।

संकरे रास्तों और अवैध पार्किंग पर विशेष ध्यान

दिल्ली की मुख्य सड़कों के अलावा अंदरूनी मार्गों पर भी अक्सर यातायात जाम की स्थिति बन जाती है। सड़कों की कम चौड़ाई, अवैध पार्किंग और वाहनों की अधिक संख्या के कारण यातायात पुलिस को मौके पर पहुंचने में कठिनाई होती है। इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विशेष मोबाइल यातायात इकाइयां तैयार की गई हैं। इनका उद्देश्य संकरे मार्गों पर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना और जाम की स्थिति में पुलिस की त्वरित पहुंच सुनिश्चित करना है।

पूरे क्षेत्र में चलाया जाएगा अभियान

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विजयंता गोयल आर्या ने बताया कि मोबाइल यातायात इकाइयों का अभियान केवल किसी एक इलाके तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यातायात क्षेत्र-1 के विभिन्न हिस्सों में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाएगा, जहां सड़कों संकरी हैं या अवैध पार्किंग के कारण वाहनों की



आवाजाही के लिए उपलब्ध स्थान कम हो जाता है। अधिकारियों के अनुसार, ऐसे क्षेत्रों में पुलिस की नियमित मौजूदगी से यातायात संबंधी समस्याओं का समय रहते समाधान करने में मदद मिल सकती है।

आपातकालीन सेवाओं की राह भी होगी आसान

विजयंता गोयल आर्या ने बताया कि संकरी सड़कों पर जाम की स्थिति केवल आम यातायात को ही प्रभावित नहीं करती, बल्कि आपातकालीन सेवाओं के लिए भी चुनौती पैदा करती है। कई बार बचाव दल और अन्य आपातकालीन वाहन जाम में फंस जाते हैं, जिससे ज़रूरतमंदों तक पहुंचने में देरी हो सकती है। मोबाइल यातायात इकाइयों के माध्यम से ऐसे मार्गों पर यातायात को नियंत्रित करने और रास्ते सुगम बनाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह इकाई तंग रास्तों पर भी तेजी से पहुंचकर जाम की स्थिति को नियंत्रित करने में सहायक होगी।

मोबाइल यातायात इकाई की 3 प्रमुख विशेषताएं

- जाम की स्थिति में त्वरित पहुंच
- मोबाइल यातायात इकाइयां संकरी सड़कों और अंदरूनी मार्गों पर तत्काल पहुंचकर यातायात व्यवस्था संभालने का काम

करेंगी। इससे पुलिस की प्रतिक्रिया अर्थाथ कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

2. अवैध पार्किंग पर कार्रवाई

संकरे मार्गों पर अवैध रूप से खड़े वाहनों के कारण उत्पन्न होने वाली यातायात बाधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आवश्यकतानुसार नियमों के तहत कार्रवाई कर माफ़ी को सुगम बनाने का प्रयास किया जाएगा।

3. अंदरूनी मार्गों पर पुलिस की मौजूदगी

मोबाइल इकाइयों के माध्यम से मुख्य सड़कों के साथ-साथ कॉलोनियों के संपर्क मार्गों पर भी यातायात पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई जाएगी। इससे स्थानीय यातायात समस्याओं की पहचान और उनके त्वरित समाधान में सहायता मिल सकती है।

यातायात व्यवस्था सुधारने की दिशा में कदम

दिल्ली यातायात पुलिस की इस पहल का उद्देश्य संकरी सड़कों पर जाम की समस्या को कम करना, अवैध पार्किंग पर नियंत्रण रखना और यातायात पुलिस की पहुंच को अधिक प्रभावी बनाना है। मोबाइल यातायात इकाइयों के संचालन से यह पता चलेगा कि अंदरूनी मार्गों पर यातायात प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं की राह सुगम बनाने में यह पहल कितनी प्रभावी साबित होती है।

क्राईम चैक टाइम्स

फिनटेक कंपनी से 2.42 करोड़ की साइबर सेंधमारी

नई दिल्ली। नोएडा में फिनटेक कंपनी, रिनोवा पेटेक प्राइवेट लिमिटेड, का सर्वर और एपीआई पोर्टल साइबर जालसाजों द्वारा हैक किया गया है। इस घटना में कंपनी के खाते से 2.42 करोड़ से अधिक की रकम निकाल ली गई। पुलिस ने बताया कि यह सेंधमारी 13 सितंबर को दोपहर से रात 8 बजे के बीच हुई। साइबर जालसाजों ने कुल 2,42,65,576 की राशि को 497 अलग-अलग लेनदेन के जरिए 28 बैंकों के 58 बैंक खातों में हस्तांतरित किया। रिनोवा पेटेक प्राइवेट लिमिटेड मोबाइल रिचार्ज, बिल भुगतान, आधार आधारित नकद निकासी और घरेलू धन हस्तांतरण जैसी वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है। कंपनी के प्रतिनिधि राजकुमार ने मंगलवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) शैव्या गोयल ने जानकारी दी कि साइबर अपराध शाखा की टीम मामले की गहन जांच कर रही है। पुलिस उन सभी बैंक खातों का पता लगाने की कोशिश कर रही है जिनमें चोरी की गई रकम भेजी गई है ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

नाइजीरिया के दो नागरिक गिरफ्तार, 50 लाख की मेथामफेटामीन बरामद

नोएडा। ग्रेटर नोएडा पुलिस ने कारोबारी वीजा पर भारत आए नाइजीरिया के दो नागरिकों को गिरफ्तार कर उनके पास से मादक पदार्थ बरामद धारा है। बुधवार को पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आरोपियों की पहचान पीटर (47) और माइकल (56) के रूप में हुई जिन्हें पैरामाउंट सोसायटी स्थित एक टावर के स्टूडियो अपार्टमेंट से मंगलवार रात गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से 600 ग्राम मेथामफेटामीन बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 50 लाख रुपए आंकी गई है। उनके पास से 1.19 लाख रुपए, इलेक्ट्रॉनिक तराजू, दो पासपोर्ट, दो मोबाइल फोन और दो बैग बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि आरोपी किसी एक स्थान पर स्थायी रूप से नहीं रहते थे और वे एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में अपना ठिकाना बदलते रहते थे और वहीं से मादक पदार्थों की तस्करी करते थे। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी मुख्य रूप से अप्रकौमी मूल के लोगों और दिल्ली-एनसीआर के कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों को मादक पदार्थ पहुंचाते थे। इसके लिए सोशल मीडिया के जरिए ऑनलाइन संपर्क किया जाता था। उन्होंने बताया कि पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी कितने समय से इस गतिविधि में शामिल थे।

यातायात नियम तोड़ने पर ट्रैफिक पुलिस ने काटे 2,511 चालान

नई दिल्ली, 16 सितंबर (हि.स.)। राजधानी में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ उत्तरी रेंज ट्रैफिक पुलिस ने मंगलवार को बड़े स्तर पर कार्रवाई की। अलग-अलग इलाकों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने कुल 2511 चालान काटे। इसमें सबसे ज्यादा कार्रवाई सड़क किनारे गलत तरीके से वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ हुई। गलत पार्किंग के 2041 चालान काटे गए। पुलिस के मुताबिक, अभियान डीसीपी ट्रैफिक उत्तरी रेंज डॉ. सचिन कुमार सिंघल की निगरानी और निदेशन में चलाया गया। इस दौरान ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मौके पर कार्रवाई की गई। सड़क पर गलत तरीके से वाहन खड़े करने से यातायात प्रभावित होने के साथ-साथ कई जगह जाम की स्थिति बनती है। इसी को देखते हुए गलत पार्किंग पर विशेष जोर दिया गया। अभियान के दौरान गलत दिशा में वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। ऐसे वाहन चालकों के 383 चालान काटे गए। गलत दिशा में वाहन चलाना सड़क हादसों की आशंका बढ़ाने के साथ दूसरे वाहन चालकों के लिए भी खतरा पैदा करता है। इसके अलावा वाहनों के शीशों पर नियमों के विपरीत टिटेड प्लास का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

ग्रिल लगाते समय तेज रफ्तार कार ने चार मजदूरों को रौंदा, दो की मौत, दो गंभीर

गुरुग्राम: गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे पर गुरुवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ग्रिल लगाने का काम कर रहे चार मजदूर एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आ गए। इस घटना में दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। गुरुग्राम पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब ७:30 बजे न्यू पालम विहार स्थित श्री राम चौक के पास हुआ। मजदूर एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा ग्रिल स्थापित कर रहे थे, तभी एक अनिर्धारित कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दो मजदूरों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। घायल मजदूरों को तत्काल पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है और उनका उपचार जारी है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में ले लिया है। कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस अब चालक की तलाश कर रही है। पुलिस ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इसमें लापरवाही से वाहन चलाने और गैर इरादतन हत्या की धाराएं शामिल हैं। पुलिस टीम घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इससे कार और उसके चालक की पहचान करने में मदद मिल सकती है। पुलिस ने फरार चालक की तलाश में भी जुटी है।

पांच आरोपी गिरफ्तार; गीता कॉलोनी प्लाईओवर के पास हुई थी वारदात

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस ने एक लूट के मामले को सुलझा लिया है। इस घटना में करीब 1.5 करोड़ रुपये नकद लूटे गए थे। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लगभग 1 करोड़ रुपये बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, यह घटना सात सितंबर 2026 की शाम को हुई थी। यह वारदात करीब 7:30 बजे गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास आउटर रिंग रोड पर हुई। शिकायतकर्ता अपने एक सहयोगी के साथ ऑटो-रिक्शा से चांदनी चौक से सफदर्जंग एक्स्प्रेव जा रहा था। उनके पास एक बैग में करीब 1.5 करोड़ रुपये नकद थे। जब ऑटो-रिक्शा गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास पहुंचा, तो तीन बाइक-स्वार व्यक्तिों ने उसे रोका। आरोपियों में से एक ने कथित तौर पर पिस्तौल दिखाई। उसने शिकायतकर्ता और उसके सहयोगी को धमकाया। इसके बाद, आरोपी नकदी से भरा बैग लेकर फरार हो गए।

जीटीबी अस्पताल में बनेगा 250 बेड का सुपर-स्पेशियलिटी ट्रॉमा ब्लॉक

दिल्ली कैबिनेट ने दी मंजूरी, 9 आधुनिक ऑपरेशन थिएटर और 48 विशेषज्ञ औपोडी कक्ष होंगे

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने यमुनापार के दिलशाद गार्डन स्थित गुरु तेग बहादुर अस्पताल में 250 बेड के सुपर-स्पेशियलिटी कम ट्रॉमा ब्लॉक के निर्माण को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को हुई दिल्ली कैबिनेट की बैठक में इस परियोजना को स्वीकृति दी गई। करीब 244.87 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह नया ब्लॉक प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के चौथे चरण के तहत तैयार किया जाएगा। परियोजना को वर्ष 2028 तक पूरा कर अस्पताल को शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

नया ट्रॉमा ब्लॉक जीटीबी अस्पताल के मौजूदा परिसर में ही बनाया जाएगा। इसके लिए अलग से जमीन खरीदने की जरूरत नहीं होगी। दिल्ली सरकार के मुताबिक, पूर्वी दिल्ली में जीटीबी अस्पताल पर मरीजों का लगातार भारी दबाव रहता है और अस्पताल के अधिकांश बेड भरे रहते हैं। ऐसे में गंभीर दुर्घटनाओं और आपातकालीन मामलों के

गुरुग्राम में ईडी की रेड: गोपाल कांडा के घर और फार्महाउस पर छापा मारा, रियल एस्टेट फ्रॉड मामले में कार्रवाई

गुरुग्राम: प्रवर्तन निदेशालय ने आज हरियाणा के पूर्व मंत्री गोपाल कांडा के गुरुग्राम स्थित आवास और फार्महाउस पर छापेमारी की। यह कार्रवाई एक कथित रियल एस्टेट धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच का हिस्सा है। अधिकारियों ने बताया कि यह जांच रियल एस्टेट कंपनी वाटिका लिमिटेड के खिलाफ चल रहे एक मामले से संबंधित है।

वाटिका लिमिटेड पर निवेशकों को वाणिज्यिक परियोजनाओं में लुभाने का आरोप है। कंपनी ने समय पर कब्जा, सुनिश्चित रिटर्न और लीज रेंटल का आश्वासन दिया था। साथ ही, बिक्री विलेख निष्पादित करने का वादा भी किया था। ईडी के एक अधिकारी ने बताया कि जांच के दायरे में चार परियोजनाएं हैं। इन परियोजनाओं में 661 निवेशकों से 248.46 करोड़ रुपये एकत्र किए गए थे।



हालांकि, आज तक निवेशकों को न तो कब्जा दिया गया और न ही बिक्री विलेख निष्पादित किए गए। अधिकारियों को संदेह है कि रियल एस्टेट कंपनी से धन का गबन किया गया।

यह गबन किया गया धन पूर्व मंत्री से जुड़ी विभिन्न कंपनियों में स्थानांतरित किया गया था। कांडा के गुरुग्राम स्थित घर, फार्महाउस और कार्यालय पर छापेमारी धन के लेन-देन का पता लगाने के लिए की गई।

गुरुग्राम हिट एंड रन केस: लेडी बाइक राइडर को टक्कर मारने और पीछा करने के मामले में नया खुलासा; क्या हुआ अब तक?

गुरुग्राम: गुरुग्राम में गोल्फ कोर्स रोड पर रविवार की सुबह बाइक राइडर को टक्कर मारने के मामले में एक और नया खुलासा हुआ है। कार से टक्कर मारने और उस पर कमेंट करने की वारदात से पहले आरोपियों ने पूरी रात क्लब में पार्टी की थी। वारदात के दौरान कार चला रहा कल्याण, साथ में मौजूद लवनिश व इनके दो अन्य साथी शनिवार रात को ही पार्टी करने के लिए गुरुग्राम आए थे।

पार्टी करने के लिए कल्याण ने अपने परिचित की कार मांगी थी। यहां चारों दोस्त एमजी रोड स्थित एक क्लब में आए थे। रातभर पार्टी करने के बाद ये रविवार सुबह फरीदाबाद वापस जाने के लिए यहां से निकले थे।

पार्टी के नशे में चूर होकर चारों कार से गोल्फ कोर्स रोड पर पहुंचे तो इन्हें बाइकर ग्रुप



में एक युवती दिखी। इसी दौरान आरोपियों ने युवती पर कमेंट किया और फिर उसका पीछा करना शुरू कर दिया। पीछा करने के दौरान ही महिला बाइकर को टक्कर मारकर कार भगा ले गए। क्राइम ब्रांच के आधिकारिक सूत्रों की मानें तो आरोपियों को दौसा के पास से गिरफ्तार करने के बाद लगातार पूछताछ की जा रही है।

बाजारों में यूपीआई पर ब्रेक: सरकार के फैसले से दिल्ली के व्यापारी नाराज, दुकानों पर लगे ‘केवल नकद’ के पोस्टर

दिल्ली: भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 15 अक्टूबर से 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाने के एलान से दिल्ली के व्यापारियों में नाराजगी है। पूर्वी दिल्ली के शाहदरा, लक्ष्मी नगर और कृष्णा नगर समेत कई बाजारों में दुकानदरों ने यूपीआई भुगतान लेने से इन्कार करना शुरू कर दिया है। कुछ दुकानों पर ग्राहकों को केवल नकद भुगतान करने की सूचना वाले पोस्टर भी लगाए गए हैं। व्यापारियों का कहना है कि छोटे कारोबार में पहले ही मुनाफे का मार्जिन सीमित है और भुगतान व्यवस्था की अतिरिक्त लागत से उन पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा।

पूर्वी दिल्ली के किराना, कपड़े, जनरल स्टोर और अन्य खुदरा कारोबार में रोजाना बड़ी संख्या में ग्राहक यूपीआई से भुगतान करते हैं। व्यापारियों के मुताबिक डिजिटल भुगतान ने लेन-देन को आसान बनाया है और ग्राहकों को नकदी साथ रखने की जरूरत कम हुई है। ऐसे में बड़े भुगतान पर शुल्क की व्यवस्था उन्हें दोबारा नकद लेन-देन की ओर ले जा सकती है। यूपीआई भुगतान पर किसी भी तरह का शुल्क नहीं होना चाहिए। सरकार डिजिटल भुगतान को मजबूत करना चाहती है तो बैंकों और पेमेंट सिस्टम की लागत का समाधान सीधे इंसेंटिव से किया जाए।

हर घर से यमुना तक, जल सुरक्षा का रोडमैप तैयार: प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड के दो दिवसीय ‘जल मंथन 2026’ में दिल्ली की जल सुरक्षा और यमुना पुनर्जीवन को लेकर विशेषज्ञों ने व्यापक मंथन किया। देश-विदेश के जल विशेषज्ञों, तकनीकी विशेषज्ञों और प्रशासकों ने 24X7 जल आपूर्ति, सीवेज के पुनः उपयोग, स्मार्ट मीटरिंग, जल नेटवर्क में लीकेज कम करने, प्रदूषण नियंत्रण और यमुना पुनर्जीवन के लिए तकनीक आधारित समाधान सुझाए। सम्मेलन के समापन पर इन सुझावों को ‘जल संकल्प’ के रूप में आगे बढ़ाने की दिशा तय की गई।

जल मंथन को संबोधित करते हुए दिल्ली सरकार के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा, जल मंथन केवल चर्चा का मंच नहीं है। इसका उद्देश्य भारत और दुनिया के श्रेष्ठ विचारों, तकनीक



और अनुभवों को दिल्ली की जरूरतों के अनुरूप समाधान में बदलना है। हमारा उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट है हर घर को विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण पानी मिले, पानी की हर बूंद का जिम्मेदारी से उपयोग हो और यमुना अपने पुनर्जीवन की दिशा में आगे बढ़े। इस मंथन की वास्तविक सफलता तभी होगी, जब यहां सामने आए विचार दिल्ली के लोगों को बेहतर सेवाओं के रूप में दिखाई दें और हमारी यमुना के स्वास्थ्य में स्पष्ट सुधार नजर आए।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल सुरक्षा, जल संरक्षण, जनभागीदारी और परिणाम आधारित कार्यान्वयन पर दिया जा रहा राष्ट्रीय जोर दिल्ली जैसे शहरों के लिए अपने जल तंत्र को और मजबूत करने का महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। दिल्ली के जल भविष्य को

सुरक्षित करने के लिए हम व्यवस्था के किसी एक हिस्से को अलग करके नहीं देख सकते। हमें पूरे जल चक्र को एक साथ देखना होगा। उस पानी से लेकर जो किसी घर तक पहुंचता है, उस आपूर्ति जल तक जो आगे चलकर हमारे नालों और यमुना तक पहुंचता है। हमारा दृष्टिकोण तकनीक आधारित, टिकाऊ और ऐसे परिणामों पर केंद्रित होना चाहिए जिन्हें दिल्ली के लोग स्वयं देख और अनुभव कर सकें। जल मंथन ने वैश्विक विशेषज्ञता, भारतीय अनुभव और दिल्ली की स्थानीय जल चुनौतियों को एक मंच पर लाकर भविष्य की दिशा पर व्यापक विचार-विमर्श किया। अब आगे की दिशा स्पष्ट है बेहतर जल आपूर्ति, पानी की बबादी में कमी, उपचारित अपशिष्ट जल का अधिक पुनः उपयोग, मजबूत सीवेज प्रबंधन

दिल्ली में 12.84 करोड़ रुपये की साइबर ठगी का भंडाफोड़, बैंक मैनेजर समेत पांच गिरफ्तार; चीन से जुड़े तार

दिल्ली: दिल्ली पुलिस की विशेष साइबर अपराध शाखा ने हीरो फिनकोर्प लिमिटेड के कॉर्पोरेट बैंक खाते से 12.84 करोड़ रुपये की साइबर ठगी का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में एक बैंक रिलेशनशिप मैनेजर सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच मोबाइल फोन, चेक बुक और प्रॉपर्टी गैलरी की रबर स्टॉप बरामद की हैं।

पुलिस उपायुक्त गौरव त्यागी ने बताया कि कंपनी को एचडीएफसी बैंक से मिले एक सिस्टम अलर्ट के जरिये अनधिकृत लेन-देन की जानकारी मिली थी। जांच में सामने आया कि 317 डिजिटल लेन-देन के माध्यम से कंपनी के खाते से 12.84 करोड़ रुपये 34 अलग-अलग बैंक खातों में भेजे गए। यह मामला 21 अगस्त को स्पेशल सेल थाने में दर्ज किया गया था। शाखा की तकनीकी जांच में बैंक खातों और मोबाइल रिकॉर्ड का विश्लेषण किया गया, जिसके आधार पर देश के विभिन्न हिस्सों में छापे मारकर पांचों आरोपियों को पकड़ा गया। गिरोह के सदस्य टेलीग्राम पर सक्रिय चीनी समूहों के संपर्क में थे और ठगी की रकम का एले हिस्सा यूएसडीटी (डिजिटल मुद्रा) में बदलकर विदेश भेजा गया। पुलिस ने अब तक 1.70 करोड़ रुपये की रकम पर रोक लगाई है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। जांच में भारत और दुबई में मौजूद कुछ आरोपियों की पहचान हुई है। बैंक खातों, मोबाइल फोन, टेलीग्राम संपर्क और यूएसडीटी लेन-देन की जांच जारी है। पुलिस जल्द ही अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर सकती है। आरोपियों ने बैंक खातों और आपसी संपर्क के जरिये हीरो फिनकोर्प के खाते से रकम निकालने का एक नेटवर्क बनाया। गिरफ्तार आरोपियों में बुलंदशहर निवासी अभय कुमार सोलंकी, कुरुक्षेत्र निवासी लवली (26), बीकानेर निवासी हरमन (24), जयपुर निवासी नमन कुमार और आरबीएल बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर विकास (30) शामिल हैं। अभय कुमार सोलंकी के खाते में 60 हजार रुपये आए, जिन्हें एटीएम से निकाला गया। लवली के प्रॉपर्टी गैलरी खाते में 80 लाख रुपये पहुंचे, जबकि नमन कुमार के यस बैंक और इंडसइंड बैंक खातों में कुल 1.10 करोड़ रुपये आए। विकास ने नमन के बैंक खाते खुलवाने में मदद की और उसे हरमन से मिलवाया। देवेंद्र सिंह चौहान नामक एक अन्य व्यक्ति ठगी की रकम को यूएसडीटी में बदलकर विदेश में बंटे जालसाजों तक भेजता था।

अति सुरक्षित पंडारा रोड स्टाफ क्वार्टर में डिलीवरी ब्वाॅय की हत्या, बॉक्स में मिला शव; पड़ताल शुरू

नई दिल्ली: नए संसद भवन से कुछ ही दूरी पर अति सुरक्षित माने जाने वाले पंडारा रोड स्थित स्टाफ क्वार्टर में डिलीवरी ब्वाॅय की हत्या कर शव लोहे के बक्से में बंद करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतक की पहचान सन्नी (26) के रूप में हुई है। उसका शव कई दिनों तक क्वार्टर में पड़ा रहा। मंगलवार रात बदनबू आने के बाद पड़ोसियों ने रात 12.56 बजे पुलिस को पीसीआर कॉल कर सूचना दी। मामले में मृतक के दोस्त और एक अन्य युवक की भूमिका सामने आई है। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। नई दिल्ली जिला पुलिस के अनुसार, सूचना मिलने पर तिलक मार्ग थाना पुलिस पंडारा रोड स्थित क्वार्टर पहुंची। दरवाजा खोलने पर अंदर से तेज दुर्गंध आ रही थी। तलाशी के दौरान पुलिस को लोहे का बक्सा मिला।

केप टाउन में 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में शामिल हुए विजेंद्र गुप्ता



नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में आयोजित 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में मानवाधिकार और शांति को लेकर आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लिया। कार्यशाला का विषय ‘मानवाधिकारों की रक्षा और शांति को बढ़ावा देना: संसदों की भूमिका’ था।

कार्यशाला में मानवाधिकारों की रक्षा, संसदीय निगरानी को मजबूत करने, अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के पालन और संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान को बढ़ावा देने में विधायिकाओं की भूमिका पर चर्चा हुई। सम्मेलन में विभिन्न राष्ट्रमंडल देशों की संसदों से जुड़े प्रतिनिधियों ने इन विषयों पर अपने विचार रखे। कार्यशाला के बाद विजेंद्र गुप्ता ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के महासचिव स्टीफन रिट्चम से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने उन्हें भारत के

विधायी, संवैधानिक और राजनीतिक इतिहास से जुड़ी तीन पुस्तकें भेंट कीं।

इनमें ‘एक शताब्दी यात्रा: श्री विठ्ठलभाई पटेल’ शामिल है, जिसमें विठ्ठलभाई पटेल की संसदीय विरासत को रेखांकित किया गया है। दूसरी पुस्तक ‘370: अनइंड्रंग द अनजस्ट: ए न्यू पप्चर फॉर जेएंडके’ है, जिसमें अनुच्छेद 370 के निरसन और उससे जुड़े राजनीतिक एवं संवैधानिक घटनाक्रमों का विश्लेषण किया गया है। तीसरी पुस्तक ‘प्रोसीडिंग्स ऑफ द वॉर कॉन्फ्रेंस हेल्थ एट दिल्ली, 27अप्रैल 1918’ है। दिल्ली विधानसभा सचिवालय के अनुसार, इन पुस्तकों के माध्यम से भारत के संसदीय, संवैधानिक और राजनीतिक इतिहास के महत्वपूर्ण अध्यायों को राष्ट्रमंडल देशों के बीच संसदीय विरासत और सहयोग से जुड़े संवाद के रूप में प्रस्तुत किया गया।

और यमुना के पुनर्जीवन के लिए निरंतर एवं परिणाम आधारित प्रयास।

जल मंथन में छह प्रमुख विषयों पर चर्चा हुई चौबीस घंटे गुणवत्तापूर्ण जल आपूर्ति सफ़ुलर वॉटर इकोनॉमी भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यबल, डिजिटल डीजेबी, वित्तीय स्थिरता, यमुना पुनर्जीवन विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि यमुना का स्वास्थ्य दिल्ली के पूरे जल और अपशिष्ट जल प्रबंधन तंत्र से जुड़ा हुआ है। जल आपूर्ति और वितरण से लेकर सीवेज संग्रहण, उपचार, पुनः उपयोग, नालों के प्रबंधन और प्रदूषण की रोकथाम तक, हर स्तर पर सुधार का सीधा प्रभाव यमुना पर पड़ता है।

क्राईम चैक टाइम्स

संपादकीय



डॉ.बुशरा बानो के साथ खड़े रहने का वक्त

प.बंगाल की आईपीएस अधिकारी डॉ. बुशरा बानो प. मेदिनीपुर के खड़गपुर में एडिशनल सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस के तौर पर काम कर रही थीं। अब उनका तबादला कर दिया गया है। उन्हें स्टेट आम्बड पुलिस की चौथी बटालियन का डिप्टी कमांडेंट नियुक्त किया गया है। सरकारी-प्रशासनिक सेवाओं में तबादले आम बात है, इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। लेकिन डॉ.बुशरा बानो का तबादला महज सरकारी प्रक्रिया नहीं है, यह एक मुसलमान महिला अधिकारी के प्रति सरकार की नफरत का निस्संकोच इजहार है। विपक्ष जब कहता है कि संविधान खतरे में है, राहुल गांधी जब कहते हैं कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने वे निकलें हैं, तो ये सब मयाज बयानबाजी नहीं है, इसके गहरे निहितार्थ हैं। संविधान ने सबको समानता का अधिकार दिया है। समानता का मतलब यह कि किसी भी नागरिक के साथ धर्म, जाति, भाषा, लिंग, आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। सत्ता पर बैठे लोगों से सबसे पहले उम्मीद की जाती है कि वे संविधान की गरिमा को हर हाल में बनाए रखेंगे, ताकि जनता भी उनसे प्रेरणा लेकर संविधान के अनुकूल व्यवहार करें। अगर ऐसा होने लगे तो देश को सही अर्थों में खुशहाल करने में जरा वक्त नहीं लगेगा। लेकिन भाजपा की प्राथमिकता में देश की खुशहाली कहीं नजर नहीं आती। उसे केवल हिंदुत्व का आतंक कायम करना है, ताकि नफरत के दम पर उसकी सत्ता बची रहे। बुशरा बानो प्रकरण इसी आतंक की एक बानगी है।

दरअसल बुशरा बानो ने एक निजी वीडियो जारी किया, जिसमें उन्होंने यूपीएससी की तैयारी करने वालों का हौसला बढ़ाया। 13 सितंबर के वीडियो में, 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी बुशरा बानो ने बताया कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के रैजिडेंशियल कोचिंग एकेडमी (आरसीए) ने उन्हें यूपीएससी की तैयारी में मदद दी। उन्होंने कहा कि वे खुद से यूपीएससी की तैयारी कर रही थीं, लेकिन आरसीए ने जो पाठ्य सामग्री, परीक्षा के पर्वें आदि उपलब्ध करवाए, उससे उन्हें मदद मिली। उन्होंने यूपीएससी देने वाले अभ्यर्थियों को सलाह दी कि वे भी आरसीए की सुविधाओं का लाभ उठाएं और अपने वतन की खिदमत करें। इस वीडियो में बुशरा बानो ने चेद मततम या जय हिंद भी नहीं कहा, लेकिन शुरूआत उन्होंने अस्सलामुअलैकुम से की, बीच में कहीं इंशाअल्लाह कहा और आखिर में जजाकल्लाह कहा।

पाठकों जानते हैं कि नमस्कार, सत्तरीअकाल, हैलो, जय सियाराय, जय जिनेन्द्र की तरह अस्सलामुअलैकुम अभिवादन का एक तरीका है, इसका मतलब होता है 'आप सलामत रहेंइ। इंशाअल्लाह का मतलब है 'भगवान की मर्जी हुई तो' यानी होइहि सोइ जो राम रचि राखा और जजाकल्लाह का मतलब है 'अल्लाह आपको (इसका) अच्छा इनाम दे यानी जुग जुग जियो, भगवान तुम्हारा भला करे, रब राखा जैसा सद्बचन। अस्सलामुअलैकुम, इंशाअल्लाह और जजाकल्लाह में कुछ भी गैरकानूनी नहीं है। लेकिन दूसरे धर्मों खासकर इस्लाम से घृणा करने वाले चंद कट्टर हिंदुओं ने उर्दू, फारसी, अरबी भाषा को भी शायद गैरकानूनी मानना शुरू कर दिया है, इसलिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के एक हैंडल 'हिंदू लीगल फंड' ने इस वीडियो की शिकायत बंगाल के गृह सचिव से। उसने आरोप लगाया कि डॉ.बुशरा बानो ने अपनी बात की शुरूआत 'अस्सलाम-अलैकुम' से की, 'इंशाल्लाह' कहा, 'जजाकल्लाह' पर बात खत्म की। उन्होंने 'वंदे मातरम' या 'जय हिंद' का इस्तेमाल नहीं किया। इस हैंडल के मुताबिक भारतीय राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कार्यरत अधिकारी को निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए और सार्वजनिक बातचीत में राष्ट्रीय शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके बाद इस वीडियो को सुदर्शन टीवी ने दिखाया और फिर वही नफरती बातें की और कुछ ही वक्त में डॉ.बानो का तबादला हो गया। मतलब प.बंगाल की सुवेन्दु अधिकारी की भाजपा सरकार ने संविधान पर चलने की जगह कट्टरपंथी हिंदुओं की बातों को मान कर फैसला लिया। डॉ.बानो की शिकायत करने वालों का कहना है कि भारतीय राज्य के अधिकारी को निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए।

झूठे आंकड़ों की गूंज!

शिवेश गर्ग

अर्थव्यवस्था के दूसरे सभी मापदंड सरकार की ओर से बताए गए जीडीपी के इस दर की गवाही नहीं दे रहे हैं। अगर रोजगार और निवेश जैसे दो अहम मापदंडों की बात करें तो जब अर्थव्यवस्था इतनी तेज गति से आगे बढ़ रही है तो मुल्क में गुणवत्ता वाली अच्छी नौकरियां क्यों नहीं पैदा हो रही है। मुल्क में बेरोजगारी की दर आज चरम पर है। और न ही विश्वी और निजी निवेश में कोई बढ़ोतरी दर्ज की गयी है।

तो क्या यह महज संयोग की बात है मोदी सरकार जो भी आंकड़े लेकर आ रही है वह सवालों के घेरे में आ जा रहा है। चंदा चोरी और कांक्रोच आंदोलन के बरअक्स लगातार फजीहत झेलने के बाद अभी चार दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आंखें चमका-चमका कर भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़े जीडीपी के आंकड़े मुल्क को ऐसे बतला रहे थे गोया उन्हें कोई जादुई चिराग हाथ लग गया हो।

सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में भारत की जीडीपी बढ़ोतरी दर 7.8 प्रतिशत रही। यों तो चींदी जैसे छोटें प्राणी को छोड़कर तिनका कभी किसी डूबते के लिए सहारा नहीं बन सकता। मगर प्रधानमंत्री इस आंकड़े को लेकर जिस अंदाज में इंस्टाग्राम वीडियो जारी कर जब मुल्क को संबोधित कर रहे थे तब तो ऐसा ही लगा जैसे किसी डूबते को तिनके का सहारा मिल गया हो।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा कि- दुनिया, युद्ध-संकट, रफ्तारी चैन में बाधा और कोविड के बाद की आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, लेकिन इन परिस्थितियों के बावजूद भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही उन्होंने मुल्क की जनता को विदेश यात्रा न करने और सोना खरीदने की फ़िर से नसीहत दी। इस मौके पर भी वे गांधी परिवार और खासतौर से राहुल गांधी को लेकर अपनी परंपरागत कुंठा को छिपा नहीं सके। उन्होंने 'निराशा फैलाने वालोंइ और 'झूठ की गूंज' जैसे जुगलों को इस्तेमाल किया जो सीधे तौर पर कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी की ओर इशारा था।

वैसे, प्रधानमंत्री का इंस्टाग्राम वाला यह बयान इस मायने में भी विरोधाभासी है कि अगर मुल्क इस रफ्तार से तरक्की कर रही है, तो आखिर मुल्क की जनता को विदेश भ्रमण न करने और सोना न खरीदने की नसीहत क्यों दी जा रही है। जाहिर है जीडीपी को लेकर सरकार की ओर से जो ताजा आंकड़े पेश किए गए हैं, वे झूठे हैं। इन झूठे आंकड़ों पर सबसे वाजिब सवाल उठाना है पूर्व वित्त सचिव सुभाष गर्ग ने। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पहले जीडीपी करीब 86.05 लाख करोड़ बताया गई थी, लेकिन नए वित्त-वर्ष की उसी तिमाही का यह आंकड़ा घटकर तकरीबन 80 लाख करोड़ रह गया है यानि करीब 6 लाख करोड़ से ज्यादा का ही अंतर है। सुभाष गर्ग के मुताबिक यह आंकड़ा असल में 2.6 प्रतिशत का है। उनका मौलिक सवाल है कि पिछले साल के आंकड़ों में इतना बड़ा संशोधन क्यों हुआ और इसका मौजूदा बढ़ोतरी दर पर क्या असर पड़ा?

एक पुरानी कहावत है कि झूठ तीन प्रकार के होते हैं- झूठ, सफेद झूठ और आंकड़े। असल में यह बाजोगरी जीडीपी के गणना के तरीके के साथ की गयी है। सवाल है कि जिन तरीके से सरकार ने जीडीपी की गणना की है क्या वह मुल्क की सभी आर्थिक गतिविधियों को समाहित कर पाया है? अर्थव्यवस्था के दूसरे सभी मापदंड सरकार की ओर से बताए गए जीडीपी के इस दर की गवाही नहीं दे रहे हैं।

सचिन कुमार गौतम

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

नितिन नबीन ने कुछ दिन

पहले ही अपील की थी कि

17 सितंबर की शाम को

सभी अपने-अपने घरों में

दीए जलाएं, इसे उन्होंने

'आशीर्वाद का दीया' करार

दिया। पता नहीं नरेन्द्र मोदी

की सत्ता को लेकर भाजपा

कितना असुरक्षित महसूस

करती है, जो तीन बार

प्रधानमंत्री बनने के बावजूद

उनके लिए भाजपा नेताओं

को अपील करनी पड़ती है।

चुनाव के वक्त ऐसे प्रचार

करना, वोट मांगना, सत्ता के

लिए आशीर्वाद मांगना फिर

भी जायज लगता है, लेकिन

जब देश में चारों तरफ

जनता दुखों और तकलीफों

में घिरी दिखाई दे, तब खुद

को 140 करोड़ लोगों के

परिवार का मुखिया कहने

वाला व्यक्ति अपने जन्मदिन

का जश्न जबरदस्ती मनवाए

तो इससे बड़ी विडंबना

किसी लोकतांत्रिक देश के

लिए नहीं हो सकती।



राजेश पांडेय

टेकनालॉजी से मानव की तरक्की से

कोई इन्कार नहीं करता है। लेकिन उसके दुरुपयोग की आशंकाओं को खारिज नहीं कर सकते हैं। एआई को किनारे रख दें और सोशल मीडिया के प्रभाव को देख लें तो स्थिति समझी जा सकती है। सोशल मीडिया की लत युवाओं, किशोरों के साथ सभी आयु वर्ग के लोगों को प्रभावित कर रही है। लेकिन, उस पर कारगर रोक किसी कंपनी ने नहीं लगाई है।

इन दिनों दुनियाभर खासकर अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से होने वाली तबाही पर गर्म बहस छिड़ गई है। विश्व के भविष्य को लंबे समय तक प्रभावित करने वाली तकनीक में दो महाशक्तियों अमेरिका और चीन के साथ दिग्गज टेकनालॉजी कंपनियों के बड़े दांव लगे हैं। एआई से मानवता के अस्तित्व को खतरों की चेतावनियों के बावजूद कोई पक्ष पीछे नहीं हटना चाहता है। अमेरिका, चीन को अपना प्रभाव कम होने और पिछड़े की आशंका है तो टेक कंपनियों की नजर अरबों रुपए के निवेश और मुनाफे पर है। इस रस्साकशी ने उम्मीद जगाई है कि देर-सबेर एआई पर काबू पा लिया जाएगा।

एआई या कृत्रिम बुद्धि के विध्वंसक

विनय अग्रवाल

उदयपुर, राजस्थान

गांव में रहने वाले लोगों के लिए किसी

चीज की कीमत केवल उसकी दुकान पर

लिकरी खस से तय नहीं होती। कई बार उसे

खरीदने के लिए घर से शहर तक जानें और

आने का किराया, लगने वाला समय, काम

से छूटा एक दिन और रास्ते में होने वाली

दूसरी परेशानियां भी जुड़ जाती हैं। इस तरह

अदृश्य कीमत है, जिसे गांव के कठिन

जीवन को समझते समय अक्सर

नजरअंदाज कर दिया जाता है। उदयपुर

शहर से लगभग चार किमी दूर ब्राह्मणों का

गुड़ा गांव इसका एक उदाहरण है। शहर के

इतने करीब होने के बावजूद गांव के भीतर

के निवेश और मुनाफे पर है। इस रस्साकशी

की कई जरूरतों के लिए लोगों को शहर का

रुख करना पड़ता है। इस गांव में केवल दो

छोटी दुकानें हैं, जहां जरूरत का पूरा राशन

नहीं मिलता है। इसलिए लोगों को राशन

और दूसरी जरूरी चीजें खरीदने के लिए

शहर जाना पड़ता है। बाहर से देखने पर

चार किमी की दूरी बहुत बड़ी नहीं लगती,

लेकिन रोजमर्रा की ज़िंदगी में यही दूरी गांव

में आर्थिक रूप से कमजोर किसी परिवार

के बजट, समय और श्रम के रूप में बहुत

मायने रखती है।

गांवों की समस्या को केवल इस सवाल

से नहीं समझा जा सकता कि वहां कितनी

दुकानें हैं। असली सवाल यह है कि क्या

सम्पादकीय

मोदी का जन्मदिन और दोहरे मापदंड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 सितंबर को

76 वर्ष के हो गए। उन्होंने की बनाई

परिपाटी के मुताबिक उन्हें सत्ता से हटकर

भाजपा के मार्गदर्शक मंडल का हिस्सा

बन कर रहा जाना चाहिए था, लेकिन

मोदी अपने लिए अलग नियम बनाते हैं

और दूसरों के लिए अलग। जैसे पश्चिम

एशिया के तनाव के कारण जो वैश्विक

आर्थिक संकट आया, उसमें मोदी ने

जनता से अपील की कि वे विदेश न

जाएं, लेकिन उसके फौरन बाद खुद एक

के बाद एक विदेश यात्राओं पर निकल

गए। मोदी ने जनता से ये अपील भी की

थी कि तेल का इस्तेमाल कम करें, इसके

बाद भाजपा नेताओं ने कुछ दिनों तक

अपने-अपने घरों में दीए जलाएं, इसे

उन्होंने 'आशीर्वाद का दीया' करार दिया।

और भाजपा सरकारें जन्मदिन पर भाजपा

कोई कार्यक्रम नहीं करेगी-करोड़ों दीए

जलवा रही हैं। इससे भी जाहिर होता है

कि मोदी की कथनी और करनी एक नहीं

है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन

नबीन ने कुछ दिन पहले ही अपील की

थी कि 17 सितंबर की शाम को सभी

अपने-अपने घरों में दीए जलाएं, इसे

उन्होंने 'आशीर्वाद का दीया' करार दिया।

पता नहीं नरेन्द्र मोदी की सत्ता को लेकर

भाजपा कितना असुरक्षित महसूस करती

है, जो तीन बार प्रधानमंत्री बनने के

बावजूद उनके लिए भाजपा नेताओं को

अपील करनी पड़ती है। चुनाव के वक्त

ऐसे प्रचार करना, वोट मांगना, सत्ता के

लिए आशीर्वाद मांगना फिर भी जायज

लगता है, लेकिन जब देश में चारों तरफ

जनता दुखों और तकलीफों में घिरी

दिखाई दे, तब खुद को 140 करोड़ लोगों

के परिवार का मुखिया कहने वाला व्यक्ति

अपने जन्मदिन का जश्न जबरदस्ती

मनवाए तो इससे बड़ी विडंबना किसी

लोकतांत्रिक देश के लिए नहीं हो सकती।

नरेन्द्र मोदी चाहते तो भाजपा अध्यक्ष

की अपील पर विनम्रता से इंकार करते

हुए कह सकते थे कि जब मेरे देशवासी

तकलीफों में हैं, तो मैं अपने जन्मदिन का

जश्न नहीं मनाना चाहता। इससे उनका

कद वाकई बढ़ा होता। लेकिन इसकी

जगह नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया पर

इस तरह के आशीर्वाद मिलने पर खुशी

ही जताई है। जाहिर है उन्हें रत्ती भर भी

जनता की परवाह नहीं है। 2008 में जब

मुंबई में आतंक की हमला हुआ था, तो

सोनिया गांधी ने 9 दिसंबर को अपना

जन्मदिन न मनाने की अपील की थी, इसी

तरह 2019 में उन्होंने महिलाओं पर

बढ़ते अत्याचारों को देखते हुए जन्मदिन

न मनाने का फैसला लिया था। इसी तरह

2022 में जब अग्निपथ योजना के

खिलाफ देश के कई हिस्सों में विद्रोह

प्रदर्शन हो रहे थे तो 9 जून को जन्मदिन

से पहले राहुल गांधी ने कहा था कि, 'मैं

देश भर के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं

और अपने शुभचिंतकों से अपील करता

हूँ कि मेरे जन्मदिन के मौके पर किसी भी

तरह का जश्न न मनाएं।' इससे पहले

2020 और 2021 में कोविड महामारी

के दौरान भी राहुल ने ऐसी ही अपील की

थी। लोकतांत्रिक देश में सार्वजनिक

जीवन में नेताओं का व्यवहार ऐसा ही

होना चाहिए। लेकिन नरेन्द्र मोदी में

लोकतांत्रिक प्रवृत्ति रत्ती भर भी नजर नहीं

आती। रोम जल रहा था और नीरो बांसुरी

बजा रहा था, जैसी मिसालें भी इस

व्यवहार के आगे हमला हुआ आती हैं।

सोशल मीडिया पर नरेन्द्र मोदी के

जन्मदिन किसी राष्ट्रीय पर्व की तरह

व्यवहार के आगे हमला हुआ आती हैं।

सोशल मीडिया पर नरेन्द्र मोदी के

जन्मदिन किसी राष्ट्रीय पर्व की तरह

व्यवहार के आगे हमला हुआ आती हैं।

सोशल मीडिया पर नरेन्द्र मोदी के

जन्मदिन किसी राष्ट्रीय पर्व की तरह

व्यवहार के आगे हमला हुआ आती हैं।

सोशल मीडिया पर नरेन्द्र मोदी के

जन्मदिन किसी राष्ट्रीय पर्व की तरह

व्यवहार के आगे हमला हुआ आती हैं।

सोशल मीडिया पर नरेन्द्र मोदी के

जन्मदिन किसी राष्ट्रीय पर्व की तरह

व्यवहार के आगे हमला हुआ आती हैं।

सोशल मीडिया पर नरेन्द्र मोदी के

जन्मदिन किसी राष्ट्रीय पर्व की तरह

व्यवहार के आगे हमला हुआ आती हैं।

सोशल मीडिया पर नरेन्द्र मोदी के

जन्मदिन किसी राष्ट्रीय पर्व की तरह

व्यवहार के आगे हमला हुआ आती हैं।

सोशल मीडिया पर नरेन्द्र मोदी के

जन्मदिन किसी राष्ट्रीय पर्व की तरह

व्यवहार के आगे हमला हुआ आती हैं।

सोशल मीडिया पर नरेन्द्र मोदी के

जन्मदिन किसी राष्ट्रीय पर्व की तरह

क्राईम चैक टाइम्स

एलिवेट कैपस का आईपीओ 23 सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली ।

एलिवेट कैपस लिमिटेड का 2,100 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) 23 सितंबर को खुलेगा। इसके लिए मूल्य दायरा 343-362 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार तीन दिन का सार्वजनिक निगम 25 सितंबर को बंद होगा। शेयर के 30 सितंबर को बाजार में सूचीबद्ध होने की उम्मीद है। आईपीओ में पूरी तरह नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई घटक नहीं है। कंपनी उच्च शिक्षा संस्थानों में परिसर के भीतर छात्र आवास सुविधाओं का स्वामित्व, संचालन और प्रबंधन करती है। इसके पास के-12 शिक्षा से जुड़ी परिसंपत्तियां भी हैं।एलिवेट कैपस अपने मंच के जरिये संस्थानों को छात्र आवास, भोजन, सुरक्षा और परिसर संचालन सहित एकीकृत गैर-शैक्षणिक सेवाएं उपलब्ध कराती है।निगम से प्राप्त राशि का इस्तेमाल के-12 संस्थाओं और परिसरों के अधिग्रहण, कर्ज चुकाने और सामान्य कारोबारी जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा।

सरकारी बैंकों के विलय का वायरल दावा फर्जी, सरकार ने लोगों को किया सतर्क

पीआईबी फैक्ट चेक ने 9 पब्लिक सेक्टर बैंक्स के तीन बड़े बैंकों में विलय संबंधी दस्तावेज को बताया नकली

नई दिल्ली ।

सोशल मीडिया पर इन दिनों सरकारी बैंकों के विलय से जुड़ा एक दस्तावेज तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें दावा किया जा रहा था कि केंद्र सरकार ने 9 पब्लिक सेक्टर बैंक्स (पीएसबी) को तीन बड़े बैंकों - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ बड़ौदा में मिलाने का फैसला किया है। हालांकि, केंद्र सरकार ने इस दावे को फर्जी बताया है और लोगों को ऐसी भ्रामक खबरों से सतर्क रहने को कहा है। पीआईबी फैक्ट चेक ने इस वायरल दस्तावेज की जांच के बाद इसे फर्जी करार दिया है। पीआईबी के अनुसार, यह दस्तावेज वित्त मंत्रालय ने जारी नहीं किया है। दरअसल, दो पेज के इस नकली गजट में दावा किया गया था कि इंडियन बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और स्टेटल बैंक ऑफ इंडिया को मिलाकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ग्रुप बनाया जाएगा। इसी तरह, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब एंड सिंध बैंक को पंजाब नेशनल बैंक में, जबकि केनरा बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और यूको बैंक को बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय करने की बात कही गई थी। सरकार ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली ऐसी खबरों पर तुरंत भरोसा न करें। किसी भी सरकारी फैसले की जानकारी के लिए आधिकारिक और भरोसेमंद स्रोतों को ही देखें। फिलहाल शाहकों को अपने बैंक खाते, जमा पैसे या बैंकिंग सेवाओं को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

सोना 84 रुपए और चांदी 1170 रुपए महंगी

सोना 1,53,065 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,39,375 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

भारतीय वायदा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल दर्ज किया गया। मल्टी क मोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 84 रुपये चढ़कर 1,53,065 रुपये प्रति 10 ग्राम पर, जबकि

चांदी 1170 रुपये की तेजी के साथ 2,39,375 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। कमजोर अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने घरेलू मांग को बढ़ावा दिया। अंतरराष्ट्रीय कॉमेक्स बाजार में सोना हल्की गिरावट के साथ 4397 डॉलर प्रति औंस पर रहा, जबकि चांदी 0.63 फीसदी उछलकर 66.51 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। कच्चे तेल की कीमतों में लगभग एक फीसदी की गिरावट और डॉलर के हालिया उच्च स्तर से नीचे आने से सोने को समर्थन मिला है। डॉलर के कमजोर होने से विदेशी खरीदारों के लिए सोना सस्ता हो जाता है, जिससे इसकी मांग बढ़ती है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के आगामी फैसलों पर भी बाजार की नजर है। प्रमुख भारतीय शहरों में 24 कैरेट सोने की कीमत चेन्नई, मुंबई सहित कई प्रमुख शहरों में 15,283 रुपये प्रति ग्राम रही, जबकि दिल्ली में यह 15,298 रुपये प्रति ग्राम थी। 22 कैरेट सोने का भाव अधिकांश शहरों में 14,009 रुपये प्रति ग्राम दर्ज किया गया, वहीं दिल्ली में 14,024 रुपये प्रति ग्राम रहा। 18 कैरेट सोने की दरें चेन्नई में 11,779 रुपये और दिल्ली में 11,482 रुपये प्रति ग्राम थीं।

सिंगापुर-भारत व्यापार को नई दिशा देगा एसआईसीसीआई-मेनन

सिंगापुर ।

सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसआईसीसीआई) के नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) प्रदीप मेनन ने संगठन की नई रणनीतिक रूपरेखा का अनावरण किया है। इसके तहत एसआईसीसीआई भारत सरकार, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत करने की योजना बना रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य भारत की तेजी

से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ व्यापारिक संबंधों को प्रगाढ़ करना और सीमा पर व्यापार को बढ़ावा देना है। मेनन ने बताया कि अगले तीन से छह महीनों में, एसआईसीसीआई भारत के नेताओं, नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत के लोगों के साथ अपने संबंधों को और गहरा करेगा।

संगठन प्रमुख भारतीय राज्यों में लक्षित व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी भेजेगा, जिसकी शुरुआत तमिलनाडु से होगी, ताकि सिंगापुर

स्थित कंपनियों के लिए नए कारोबारी अवसर खोले जा सकें। उन्होंने दोनों देशों के बीच पारस्परिक लाभ वाले संबंध पर जोर दिया।

मेनन के अनुसार भारतीय कंपनियों को सिंगापुर से कारोबार की उत्पादकता बढ़ाने वाली विशेषज्ञता मिलती है, जबकि सिंगापुर की कंपनियों को भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार और प्रतिभा के बड़े समूह तक पहुंच मिलती है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत सिंगापुर के लिए मानव

संसाधन का एक प्रमुख स्रोत है, जो प्रतिभा की कमी को पूरा करने में महत्वपूर्ण है।एसआईसीसीआई का लक्ष्य क्षेत्रीय पूंजी के लिए सिंगापुर की भरोसेमंद भूमिका को भी मजबूत करना है, विशेष रूप से आसियान निवेशकों के लिए जो भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था में पारदर्शी निवेश करना चाहते हैं। मेनन ने पिछले महीने ही एसआईसीसीआई के सीईओ का पद संभाला है; वह 2003 से 2010 तक भी इस पद पर रह चुके हैं।

बनाए रखने के प्रयासों के बाद, अब टाटा संस के सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने का रास्ता खुल गया है। मिस्त्री ने जोर देकर कहा कि इस महत्वपूर्ण फैसले को किसी एक हिस्सेदारी की दूसरे पर कब्जे के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि टाटा संस की सूचीबद्धता शेयरधारकों और टाटा ट्रस्ट्स के बीच तथा निजी स्वामित्व एवं सार्वजनिक जवाबदेही के बीच एक सेतु बन सकती है। मिस्त्री ने आगे कहा कि

कारोबार

मूडीज ने भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाया, 7 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद

वैश्विक झटकों के बीच अर्थव्यवस्था ने दिखाई मजबूती; तेल की ऊंची कीमतें और अल नीनो बन सकते हैं चुनौती

नई दिल्ली ।

मूडीज रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है, जो पहले छह प्रतिशत था। रेटिंग एजेंसी ने शुरुवार को कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष जैसे वैश्विक झटकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है। हालांकि, उसने तेल की ऊंची कीमतों और अल नीनो के असर से महंगाई बढ़ने के संभावित खतरों के प्रति आगाह भी किया है। इस वृद्धि

भारतीय उत्पादों का ग्लोबल फेस्टिवल, घरेलू बिक्री 5 साल के शिखर पर

त्योहारी रौनक ने खाद्य उत्पाद, वस्त्र और हस्तशिल्प की मांग बढ़ाई

नई दिल्ली ।

गणेशोत्सव से शुरू हुए त्योहारी सीजन ने घरेलू बाजारों में खरीदारी का उत्साह पांच साल के उच्च स्तर पर पहुंचा दिया है। साथ ही, दुनिया भर में भारतीय उत्पादों की बढ़ती मांग ने निर्यात को भी नया आयाम दिया है। देश में मिठाई, कपड़े और सजावटी सामान की बिक्री में तेजी है। वहीं, अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और भारतीय प्रवासी बहुल बाजारों में भारतीय स्वाद, संस्कृति और उत्पादों, जैसे खाद्य पदार्थ, पारंपरिक परिधान और हस्तशिल्प की मांग में भारी इजाफा हुआ है। अगस्त में भारत का माल निर्यात 26 फीसदी बढ़कर 43.8 बिलियन डॉलर रहा, जिसमें त्योहारी ऑर्डर और अमेरिकी मांग ने अहम भूमिका निभाई। यूरोप में भारतीय खाद्य उत्पादों के ऑर्डर 20 फीसदी तक बढ़े हैं, जबकि अमेरिका में टेक्सटाइल और तैयार कपड़ों के ऑर्डरों में 30-40 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई है। क्लोदिंग मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सर्वे के अनुसार, 52 फीसदी परिधान निर्माताओं को बेहतर बिक्री की उम्मीद है। मावा की मिठाइयों की मांग 145 फीसदी बढ़ी है, जिसमें खाड़ी देश एक प्रमुख बाजार के रूप में उभरे हैं। कुवैत, ओमान और बहरीन में मिठाइयों, ड्राई फ्रूट्स, नमकीन और मसालों की लगातार खरीद हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं और चीन पर निर्भरता कम होने से भारतीय निर्यातकों को नए अवसर मिल रहे हैं। छोटे शहरों में भी कारोबार तेज होने से समग्र बाजार भावना सकारात्मक बनी हुई है।

जापान ने भी बढ़ाई ब्याज दर, 31 साल का रिकॉर्ड टूटा

बैंक ऑफ जापान ने मुख्य दर बढ़ाकर 1.25 फीसदी की

नई दिल्ली ।

जापान के केंद्रीय बैंक, बैंक ऑफ जापान ने महंगाई पर लगाम लगाने और अपनी कमजोर मुद्रा येन को सहारा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को बैंक ने अपनी मुख्य ब्याज दर में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी करते हुए इसे 1.25 फीसदी कर दिया। यह पिछले 31 सालों में जापान में ब्याज दर का सबसे उच्चतम स्तर है, जो अंतिम बार 1995 में इस स्तर पर थी। यह फैसला ऐसे समय आया है जब वैश्विक ऊर्जा संकट, ईरान युद्ध और घरेलू चुनौतियों से जापान की अर्थव्यवस्था जूझ रही है। वैश्विक

स्तर पर बढ़ती महंगाई और विशेषकर ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल व गैस की कीमतों में आए उछाल ने जापान पर भारी दबाव डाला है। जापान अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है, जिससे होमगुज जलडमरूमध्य में व्यवधान का सीधा असर उस पर पड़ता है। देश पहले से ही तीनहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है - लगातार कमजोर होता येन, बढ़ती कीमतें और घटता कार्यबल। ऊर्जा महंगी होने से जापान का आयात बिल बढ़ रहा है, जिसका सीधा बोझ आम लोगों पर पड़ने की आशंका है। लंबे समय तक जापान अपनी बेहद कम ब्याज दरों के

सत्य नडेला ने सराही भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी, एआई पर दिया जोर

सिएटल में आइडियाज4इंडिया फोरम में 40 से अधिक

भारतीय मूल के टेक सीईओ और सीटीओ हुए शामिल



न्यूयॉर्क ।

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला ने सिएटल में भारतीय-अमेरिकी प्रौद्योगिकी समुदाय और भारत के साथ इसके बढ़ते मजबूत संबंधों की सराहना की। उन्होंने कृत्रिम मेधा (एआई) को एक ऐसी सामान्य उपयोग वाली प्रौद्योगिकी बताया, जिसके लाभ इसके व्यापक अपनाने पर निर्भर करेंगे। सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित आइडियाज4इंडिया-इंडियन अमेरिकन टेक सीईओ फोरम- अनलॉकिंग द टेक डिविडेंड कार्यक्रम में नडेला ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर भारतीय मूल के सीईओ को संबोधित किया।

उन्होंने पिछले 35 वर्षों में सिएटल के प्रौद्योगिकी समुदाय की प्रगति और भारत के साथ उसके संबंधों के सुदृढ़ीकरण पर

कच्चे तेल में तीसरे दिन भी नरमी

ब्रेंट क्रूड आयल 104 डॉलर के नीचे

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में शुरुवार गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद, सऊदी अरब से तेल आपूर्ति में संभावित व्यवधान की आशंका कम होने से बाजार को राहत मिली है। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड लगभग 1 फीसदी गिरकर 103.77 डॉलर प्रति बैरल जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 100.88 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इस गिरावट की मुख्य वजह सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन की आधी क्षमता जल्द बहाल होने की उम्मीद है। पिछले सप्ताह ड्रेन हमले के बाद इस पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा था, जिससे आपूर्ति प्रभावित होने का डर था।

साथ ही, सऊदी अरब ओमान के सोहर बंदरगाह के जरिए एशियाई खरीदारों को वैकल्पिक रास्ते से तेल पहुंचा रहा है, जिससे बाजार में तेल की कमी का खतरा कुछ कम हुआ है। हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव बरकरार है, लेकिन बाजार का ध्यान अब वास्तविक तेल आपूर्ति पर है। पिछली तेजी के बाद मुनाफावसूली भी हुई है।

ब्रेंट क्रूड अभी भी 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है, और आपूर्ति जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। अगर पाइपलाइन की मरम्मत में देरी हुई या क्षेत्र में कोई नया बड़ा हमला हुआ तो कीमतें फिर से तेजी पकड़ सकती हैं।

शेयर बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद

सेंसेक्स 19 अंक गिरा, निफ्टी 75 अंक उछला



आज दिग्गज शेयरों में खरीदारी भी रही। निफ्टी पर अडानी पोर्ट्स, अडानी एंटरप्राइजेज और भारती एयरटेल सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे.

वहीं मेटल, रियलटी, ऑयल एंड गैस, सीमेंट और केमिकल सेक्टरस में आज सबसे ज्यादा तेजी रही। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और वैश्विक बॉन्ड यील्ड में गिरावट से इन क्षेत्रों को सहारा मिला जबकि आईटी सेक्टर में

रुपया गिरावट के साथ बंद



मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में तेज बढ़ोतरी के बाद कच्चे तेल की कीमतों के 104 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने से भारतीय मुद्रा पर दबाव कम हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल भी रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.75 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में थोड़ा मजबूत होकर 95.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को दो पैसे मजबूत होकर 95.91 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा मजबूत- टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स

गुजरात और असम में 14 अरब डॉलर की परियोजनाएं ट्रैक पर

नई दिल्ली ।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के एक प्रमुख अे धिकारी ने घोषणा की है कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा बेहद मजबूत दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने सेमीकॉन 2.0 के तहत मिली नीतिगत स्थिरता को उद्योग के लिए महत्वपूर्ण बताया, जिससे कार्ययोजना में महत्वपूर्ण निरंतरता बनी हुई है। भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में अपनी मजबूत जगह बनाने के लिए तेजी से कदम बढ़ा रहा है और इस प्रयास में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अे धिकारी ने सेमीकॉन इंडिया के मौके पर कहा े कि हमारे कारोबार में निरंतरता महत्वपूर्ण है और सेमीकंडक्टर एक कार्ययोजना आधारित यात्रा है। सेमीकंडक्टर 1.0 योजना के बाद सरकार द्वारा सेमीकंडक्टर 2.0 लाइन उत्पाहजनक है, जो इस क्षेत्र के प्रति सरकार का प्रतिबद्धता दर्शाता है। उन्होंने जोर दिया कि जैसे-जैसे कंपनी नकदी प्रवाह उत्पन्न करेगी, वह लगातार निवेश करती रहेगी और इस यात्रा को आगे बढ़ाएगी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स गुजरात के धोलेरा में भारत का पहला वाणिज्यिक

सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण संयंत्र (फैब) स्थापित कर रहा है, जिसमें 91,000 करोड़ रुपये (लगभग 11 अरब डॉलर) का निवेश किया जा रहा है। यह संयंत्र 28 नैनोमीटर से 110 नैनोमीटर तक की प्रौद्योगिकी नोड पर चिप बनाएगा, जिनका उपयोग वाहन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, कं्यूटिंग और कृत्रिम मेधा (एआई) जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में होगा। इसके अतिरिक्त, कंपनी असम के जागीरोड में देश की पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर असेंबली एवं परीक्षण सुविधा के लिए तीन अरब डॉलर का निवेश कर रही है। दोनों परियोजनाओं में कुल 14 अरब डॉलर का निवेश किया जा रहा है, जिनका उद्देश्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैश्विक ग्राहकों को एक कार्ययोजना आधारित यात्रा के जरूरतों को पूरा करना है। उन्होंने पुष्टि की कि धोलेरा का विनिर्माण संयंत्र और जागीरोड की पैकेजिंग सुविधा दोनों सरकार के साथ तय समयसीमा के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं। सेमीकॉन इंडिया के दौरान टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा हस्तक्षरित 16 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) निवेश करती रहेगी और इस यात्रा का उद्देश्य उपकरण, बुनियादी ढांचा, गैस एवं रसायन तथा प्रतिभा विकास सहित एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है।

द्वारका एक्सप्रेसवे पर तेज रफतार कार ने चार लोगों को कुचला, दो की मौत, दो गंभीर

गुरुग्राम(एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम में बुधवार देर रात द्वारका एक्सप्रेसवे पर एक कार ने चार लोगों को कुचल दिया। इस घटना में दो की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर है। घायलों निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुरुग्राम पुलिस ने गुरुवार को बताया कि न्यू पालम विहार में द्वारका एक्सप्रेसवे पर बुधवार रात करीब 2ः30 बजे हादसा हुआ। दिल्ली की तरफ से आ रही तेज रफतार कार ने एक्सप्रेसवे पर ग़िल लगा रहे चार लोगों को टक्कर मार दी। घायलों में से दो की मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर है। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले, हरियाणा के करनाल में नेशनल हाइवे पर बसताड़ा टोल प्लाजा के पास सड़क दुर्घटना में पिता-पुत्र की मौत हो गई। सब इंस्पेक्टर ने बताया कि सभी लोग करनाल की तरफ जा रहे थे। ये लोग बाइक पर सवार थे, जिन्हें कार ने टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान मोहम्मद अर्श और मोहम्मद जफर के रूप में हुई। मृतकों के एक रिश्तेदार ने बताया कि वह मेरठ के रहने वाले थे। यहां मजदूरी करते थे। उन्होंने बताया कि बेटे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी, जबकि पिता ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि युग् में फोटो शेयर हुए थे, जहां से हमने मृतकों की पहचान की, जिस गाड़ी ने टक्कर मारी थी, पुलिस ने उसे जब्त कर लिया। अभी तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

कर्नाटक के भटकल में गणेश विसर्जन जुलूस पर पथराव, मस्जिद–मदरसे को निशाना

भटकल (एजेंसी)। (ईएमएस)। कर्नाटक के भटकल में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान पथराव से इलाके में तनाव फैल गया है। यह घटना तालाद से शुरू हुए जुलूस के रेलवे स्टेशन रौड़ स्थित इस्माइल सुन्नी जामिया मस्जिद और ताजुल सुन्ना अरबी मदरसे के पास पहुंचने पर हुई। अज्ञात असामाजिक तत्वों पर इन धार्मिक स्थलों पर पथर फेंकने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक, गुल्मी रेलवे ब्रिज पार करने के बाद जुलूस जैसे ही मस्जिद और मदरसे के करीब पहुंचा, अनाक पथराव शुरू हुआ। इस हमले में मस्जिद और मदरसे की खिड़कियों के शीशे टूट गए, जिससे एक समुदाय में भारी आक्रोश देखा गया। बड़ी संख्या में लोग आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर देर रात भटकल टाउन थाने के बाहर जमा होकर जोरदार प्रदर्शन करने लगे। अखुल अलीम और शालुह अमीन गवाई की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। स्थिति की गंभीरता को देखकर उतर करनड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) दीपन स्वयं भ्रम्रड़ के पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को शांत करके निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया। एसपी दीपन ने लोगों से सहयोग की अपील कर कहा कि पुलिस अपनी जांच दृढ़ शुरू करेगी और जिसने भी यह गलत काम किया है, उस पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे भटकल में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और चरमदीयों की मदद से पथराव करने वाले आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

लखनऊ में रिकवरी एजेंटों का आतंक! पिस्टल की नोक पर परिवार से छिनी कार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में फाइनर्स रिकवरी एजेंटों की दंगवाई और गुंडई के मामले थम नहीं रहे हैं। ताजा मामला पीजीआई थाना क्षेत्र का है, जहां बीमार बच्चे का इलाज कराने पहुंचे एक परिवार को अज्ञात रिकवरी एजेंटों ने बीच सड़क पर बंधक बना लिया। पीडित जुबैर खान ने आरोप लगाया है कि एजेंटों ने उनकी कमर पर पिस्टल सटाकर परिवार को जबरन गाड़ी से नीचे उतारा और कार लूटकर फरार हो गए। जुबैर खान के मुताबिक, वे अपने बीमार बच्चे को दिखाने अस्पताल गए थे। ओपीडी में समय होने के कारण वे बच्चे को बाहर कुछ खिलाने निकले, तभी कुछ लोगों ने गाड़ी रोककर दो-तीन किश्तें बकाया होने की बात कह दी। पीडित द्वारा भाई से फोन पर बात करने के बावजूद आरोपी उन्हें रिसीविंग देने के बहाने आगे ले जाने लगे। जब उन्होंने गाड़ी रोकी, तब करीब 12 अज्ञात लोगों ने उनकी कार को घेरा और पिस्टल की नोक पर धमकाते हुए पत्नी और मासूम बच्चों सहित उन्हें बीच सड़क पर उतार दिया।

आदित्य ठाकरे को 500 करोड़ का मानहानि नोटिस

मुंबई(एजेंसी)। दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री एनसीपी(एसपी) नेता अनिल देशमुख को 500 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा है। बार एंड बैच के मुताबिक, नोटिस में दोनों नेताओं से उनके बयानों को वापस लेने, सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और 500 करोड़ का हर्जाना देने की मांग की गई है। दोनों को इसके लिए 7 दिन का समय दिया गया है। आदित्य ठाकरे ने जांच में उमका नाम आगे पर कहा था कि ये राजनीति से प्रेरित है। वहीं, अनिल देशमुख ने कहा था कि आदित्य को बदनाम किया जा रहा है।

यूसीसी के नाम पर नीतीश को भगवामय करने की तैयारी में राजद !

पटना, एजेंसी।

बिहार की सियासत में फिर यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर सरगमीं तेज हो गई है। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने एक बड़ी सियासी चाल चली है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, आरजेडी यूसीसी के मुद्दे पर नीतीश को लगातार कठघरे में खड़ा कर रही है और उन पर बीजेपी के दबाव में होने का आरोप लगा रही है। आरजेडी का मुख्य मकसद नीतीश के सेक्युलर छवि के आवरण को हटकर उन्हें राजनीतिक रूप से भगवामय साबित करना है, ताकि मुस्लिम मतदाताओं का पूरी तरह से धुवीकरण उनकी अपनी पार्टी के पक्ष में हो जाएं।

भले ही अभी तक यूसीसी का कोई आधिकारिक ड्राफ्ट सामने नहीं आया है, लेकिन आरजेडी ने मुद्दे पर आक्रामक तेवर



अपना लिए हैं। पार्टी नेताओं, जैसे भाई वीरेंद्र के बयानों का लब्जोलुआब यही रहा है कि यदि नीतीश वास्तव में धर्मनिरपेक्ष हैं, तब उन्हें सरकार से समर्थन वापस लेकर राज्य में

महागठबंधन की सरकार बनानी चाहिए। आरजेडी अच्छी तरह जानती है कि जेडीयू विधायक दल में टूट की संभावना फिलहाल नहीं है, लेकिन इस बहस के जरिए वे

मनोज जरांगे ने खत्म की भूख हड़ताल, दिया 90 दिन का अल्टीमेटम

मुंबई, एजेंसी।

महाराष्ट्र के बीड जिले में चल रहा मराठा आरक्षण आंदोलन, जो पिछले 20 दिनों से मनोज जरांगे पाटिल की भूख हड़ताल के चलते चर्चा में था, अब एक नए मोड़ पर आ गया है। मंत्रियों और अधिकारियों से मुलाकात के बाद मनोज जरांगे पाटिल ने अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी है। उन्होंने सरकार को अपनी मांगों पर कार्रवाई के लिए 90 दिनों का स्पष्ट अल्टीमेटम दिया है, जिसके बाद मराठा समुदाय द्वारा प्रस्तावित मुंबई मार्च को भी फिलहाल के लिए टाल दिया गया है। डॉक्टरों ने जरांगे पाटिल की बिगड़ती सातारा, कोल्हापुर, पुणे और आंध्र के सेहत पर चिंता जताई थी और कहा था कि अगर जल्द इलाज नहीं हुआ तो उनकी महीने में जीआर (सरकारी प्रस्ताव) स्थिति गंभीर हो सकती है। इसी बीच, बीजेपी विधायक प्रसाद लाड मुंबई से अहिल्यानगर के लिए रवाना हुए और मंत्री राधाकृष्ण विघ्ने पाटिल के साथ पाटोदा पहुंचे, जहां यह महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में मंत्री राधाकृष्ण विघ्ने पाटिल, मंत्री दादा भुसे, विधायक प्रसाद लाड, विधायक सुरेश धस और बीड के जिला कलेक्टर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए जरांगे पाटिल ने अपनी प्रमुख मांगें दोहराईं। उन्होंने कहा

कि शिंदे समिति द्वारा खोजे गए 58 लाख रिपोर्टों में एक भी रिपोर्ट कम नहीं होना चाहिए। उन्होंने इन रिपोर्टों के आधार पर

प्रमाणपत्र और उनकी वैधता देने के लिए एक लिखित गारंटी और समयबद्ध कार्यक्रम की मांग की। जरांगे पाटिल ने काम में अपने लोगों को भी लगाने के लिए तैयार हैं, और आरोप लगाया कि शिंदे समिति तथा सरकार इस मामले पर अलसता दिखा रहे हैं, जिसके बाद मराठा ओर से भी कई आश्वासन दिए गए। मंत्री राधाकृष्ण विघ्ने पाटिल ने कहा कि डॉक्टरों ने जरांगे पाटिल की बिगड़ती सातारा, कोल्हापुर, पुणे और आंध्र के सेहत पर चिंता जताई थी और कहा था कि अगर जल्द इलाज नहीं हुआ तो उनकी महीने में जीआर (सरकारी प्रस्ताव) जारी कर लागू किया जाएगा। इसके अलावा, हैदराबाद गजट के आधार पर कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने के लिए एक संशोधित जीआर लाने और इन प्रमाणपत्रों को वैधता देने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया कि शिंदे समिति को मिले 58 लाख रिपोर्ट कम नहीं किए जाएंगे। साथ ही, मराठावाड़ा के चार जनप्रतिनिधियों के रद्द किए गए कुनबी प्रमाणपत्रों को वैध करने की बात भी कही गई।

शिक्षक दिवस पर शिक्षका की भूमिका निभाने वाली छात्राओं को किया गया सम्मानितकमलेश देवाणी

कमलेश देवाणी

मध्य प्रदेश: संत हिरदाराम नगर शिक्षक दिवस के अवसर पर बजरंग सेना समिति की ओर से ज्वाला कान्वेंट स्कूल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक दिवस पर शिक्षका की भूमिका निभाने वाली छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें उपहार एवं पेन देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य राज बरारा ने बजरंग सेना समिति के कार्यकर्ताओं का गुणदस्ता भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया।

समिति के सदस्य महेश खटवानी ने कहा कि शिक्षक दिवस के अवसर पर छात्राओं द्वारा शिक्षका की भूमिका निभाना सराहनीय पहल है। उन्होंने छात्राओं के प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियों से विद्यार्थियों में जिम्मेदारी, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। समिति के महासचिव गुरदास रामचंदानी ने शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ.

अजय पाल

उत्तर प्रदेश: पोलीथीत तहसील बीसलपुर क्षेत्र के ब्लॉक बरखेड़ा अंतर्गत ग्राम परेई स्थित आंगनवाड़ी केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि केंद्र पर आवश्यक दस्तावेज और अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा केंद्र पर पंजीकृत बच्चों की संख्या और उनकी उपस्थिति से संबंधित जानकारी भी स्पष्ट रूप से उपलब्ध नहीं होने की बात कही जा रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि शासन की ओर से आंगनवाड़ी केंद्र के लिए उपलब्ध



कराई जाने वाली विभिन्न सामग्री का भी उचित तरीके से उपयोग नहीं किया जा रहा है। आरोप है कि सरकारी स्तर से उपलब्ध कराई गई सामग्री का इस्तेमाल बच्चों और लाभार्थियों के हित में किए जाने के बजाय निजी उपयोग में किया जाता है। मामले को

लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। उनका कहना है कि आंगनवाड़ी केंद्रों का उद्देश्य बच्चों और महिलाओं को सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, इसलिए केंद्र की व्यवस्थाओं, अभिलेखों और सरकारी सामग्री की जांच आवश्यक है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी महोदय से मामले का संज्ञान लेकर संबंधित केंद्र का निरीक्षण कराने तथा आरोपों की निपुण जांच कराकर दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध निजी उपयोग में किया जाता है। मामले को

महाराष्ट्र के आदिवासी छात्रावासों में यौन शोषण का आरोप छात्राओं ने प्रेननेंसी टेस्ट की भी शिकायत की

नागपुर, एजेंसी।

महाराष्ट्र के नागपुर में कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आदिवासी छात्र-छात्राओं से बातचीत की। इस दौरान छात्राओं ने आदिवासी छात्रावासों से जुड़ी कई गंभीर परेशानियां बताईं, जिसमें यौन शोषण की शिकायतें भी शामिल हैं। छात्राओं ने कई मामलों में जबरन प्रेननेंसी टेस्ट कराए जाने का भी आरोप लगाया है। अभिजीत दीपके 17 सितंबर से आदिवासी स्कूलों का दौरा करने की एक नई मुहिम शुरू कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने बुधवार को आदिवासी छात्राओं से भी बात की, जिन्होंने खुलकर अपनी परेशानियां बताईं। कई छात्राओं ने बताया कि अधिकांश आदिवासी आश्रम स्कूलों में बच्चियों के साथ यौन शोषण हो रहा है।

नवोदय विद्यालयों की स्थापना को लेकर विवाद, सुप्रीम कोर्ट बोला-हिंदी को लेकर सोच बदलनी होगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि हिंदी को लेकर आपको अपनी सोच बदलने की जरूरत है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस अंगिरस्तैन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान चेन्नई और दिल्ली को एक-दूसरे से अलग-थलग करने की सोच पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि चेन्नई में बैठे लोगों में बैठे लोगों को दिल्ली में बैठे लोगों में बैठे लोगों को छोड़ने से। पूरा मामला तमिलनाडु में नवोदय विद्यालय खोलने को लेकर है। ये केंद्र सरकार की मदद से चलने वाले स्कूल हैं। यहां लड़कें और लड़कियां दोनों पढ़ते हैं और छात्रों के रहने की भी व्यवस्था होती है। इन स्कूलों को नवोदय विद्यालय समिति चलाती है। यह केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के तहत काम करती है। रां य सरकार इन स्कूलों को खोलने का विरोध करती रही है। इसकी मुख्य वजह स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली भाषाएं हैं। नवोदय विद्यालयों में तीन भाषाएं पढ़ाई जाती हैं। इनमें हिंदी भी शामिल है।

दीपके के साथ बुधवार को हुई बातचीत में विदभं और मराठवाड़ा जिलों की कई छात्राएं शामिल हुईं थीं। छात्राओं ने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपियों को बचाने के लिए आदिवासी समुदाय के बच्चों को आरोपी बना दिया जा रहा है। साथ ही उन्होंने सरकारी आदिवासी स्कूलों में सुविधाओं की कमी भी बताई। इस दौरान एक छात्रा ने खासतौर पर भंडारा की हॉस्टल का जिक्र किया, जहां 15 लड़कियों को एक ही कमरे में रखा जाता है। कई छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया कि आश्रम स्कूलों में बच्चियों को जबरन छात्राओं से भी बात की, जिन्होंने खुलकर अपनी परेशानियां बताईं। कई छात्राओं ने बताया कि अधिकांश आदिवासी आश्रम स्कूलों में बच्चियों के साथ यौन शोषण हो रहा है।

दीपके ने आदिवासी छात्रों के आंदोलन को समर्थन देने का ऐलान किया है और कहा है कि वह राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में उतरेंगे। उन्होंने बच्चों को अपनी परेशानियों की जानकारी फैलाने और इसके लिए व्हाट्सऐप ग्रुप बनाने की सलाह दी। दीपके ने बुधवार को आदिवासी स्कूल ठीक करो अभियान की 17 सितंबर से शुरुआत का ऐलान किया है। इससे पहले उनकी पार्टी स्कूल ठीक करो अभियान चला रही थी। उन्होंने कहा कि पिछले 80 वर्षों में सभी सरकारों ने देशभर के आदिवासी क्षेत्रों के स्कूलों की उपेक्षा की है। इसलिए वे महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले से इस अभियान को शुरू कर रहे हैं। दीपके ने सरकारों पर आदिवासी छात्रों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि राजनीतिक दल अपने



मुख्यालयों पर करोड़ों खर्च करते हैं, लेकिन आदिवासी आवासीय विद्यालयों के लिए धन नहीं है, जो अवसर किराये की इमारतों से चलते हैं। उन्होंने सरकार से आदिवासी समुदाय को प्राथमिकता देने की अपील की, क्योंकि केवल जीडीपी वृद्धि या अर्थव्यवस्था के आकार की बात करना पर्याप्त नहीं है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 601 विद्युत प्रकरणों की होगी सुनवाई, उपभोक्ताओं को समझौते पर दी विशेष छूट

अमित रजक

मध्य प्रदेश: खुरई आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में विद्युत विभाग के संचारण एवं संधारण संधाग खुरई से संबंधित कुल 601 प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी। इन मामलों में 150 लिटिगेशन और 451 प्रिलिटिगेशन प्रकरण शामिल हैं। सभी मामलों में करीब 1 करोड़ 12 लाख रुपये की राशि जुड़ी हुई है। विद्युत विभाग की ओर से संबंधित उपभोक्ताओं को नोटिस जारी कर लोक अदालत में उपस्थित होने और अपने प्रकरणों का आपसी समझौते के माध्यम से निराकरण कराने की जानकारी दी गई है। विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक मामलों का त्वरित समाधान कर उपभोक्ताओं को राहत उपलब्ध कराना है।

36 प्रकरणों का पहले ही हो चुका निराकरण विभाग के अनुसार लोक



अदालत से पहले ही 15 लिटिगेशन और 21 प्रिलिटिगेशन समेत कुल 36 प्रकरणों का समझौते के आधार पर निराकरण किया जा चुका है। शेष मामलों में संबंधित उपभोक्ताओं और पक्षकारों को 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनवाई एवं समझौते का अंतिम अवसर दिया जा रहा है।

समझौते पर मिलेगी विशेष राहत

लोक अदालत में विद्युत प्रकरणों का समझौते के जतिए निपटारा कराने वाले उपभोक्ताओं को शासन की ओर से विशेष छूट

पीएम के जन्मदिन पर सीजेपी ने कहा- स्कूल ठीक करो...

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी), जो हाल ही में दिल्ली में हुए प्रदर्शनों के बाद से लगातार चर्चा में है, ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर एक



महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया दी है। सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से जन्मदिन पर दिया जलाने के अभियान पर सवाल उठाया है। रांका ने अपनी पोस्ट में लिखा, बताओ कल देशभर के कॉलेज को सुबह सुबह आशीर्वाद का दिया जलाने के लिए क्यों बोला गया है गाइज? बताओ कल किसका जन्मदिन है गाइज? उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। इस बीच, सीजेपी अपने स्कूल ठीक करो अभियान को भी गति दे रही है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारत में आदिवासी स्कूलों को पिछले 80 वर्षों से सरकार की उपेक्षा का सामना करना पड़ा है। इस मुद्दे को उजागर करने के लिए, सीजेपी 17 सितंबर से महाराष्ट्र के गढ़चिरोली से अपने 'आदिवासी स्कूल ठीक करो' अभियान की शुरुआत करेगी। इसका उद्देश्य आदिवासी विद्यार्थियों के सामने आने वाली समस्याओं और भेदभाव की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना है। यह अभियान सीजेपी के व्यापक स्कूल ठीक करो मुहिम का हिस्सा है, जिसे एक महीने पहले ग्रामीण और शहरी सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने के लिए शुरू किया गया था। इस पहल के तहत, सीजेपी प्रतिनिधि स्कूलों का दौरा कर बुनियादी सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का निरीक्षण करेंगे।



हिरदाराम जी और उनकी प्रेरणा से जोड़ने वाली कई इमारतें संत हिरदाराम नगर ;बैरागढ़ में हैं। यह महज इमारतें नहीं बल्कि उस महान पुजारी के वह मंदिर में हैं जिनमें

कहीं बच्चों को परमेश्वर का यार मानकर शिक्षित किया जा रहा है कहीं बूढ़ों की सेवा की जा रही है तो कहीं बीमारों को निरोगी काया और नेत्र ज्योति दी जा रही है। आज स्वामी हिरदाराम जी के जन्म दिवस पर कुछ ऐसे पलों से जोड़ रहे हैं जो संतजी ने साकार किए थे। संतजी की साधना का सफर वर्ष 1944 में एक अलग आश्रम सिंधु के थिरिया शहर में ही स्थापित किया। वर्ष 1947 जून में स्वामी जी के गुरु संत हरिराम साहिब ब्रह्मलीन हुए। कुछ समय के लिए स्वामीजी विचलित हुए।

संक्षिप्त

हरिद्वार में 21-22 सितंबर को दयानन्द स्टेडियम में होगा खेल महाकुंभ

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड के हरिद्वार में खेल प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से युवा कल्याण विभाग की ओर से विधानसभा स्तरीय खेल महाकुंभ-2026 का आयोजन किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2026-27 के तहत आयोजित यह प्रतियोगिता 21 और 22 सितंबर को गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के दयानन्द स्टेडियम में होगी, जिसमें शहर विधानसभा क्षेत्र के युवा खिलाड़ी विभिन्न खेल स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में अंडर-14 और अंडर-19 आयु वर्ग के बालक-बालिकाएं विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। दो दिवसीय आयोजन में एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, मुक्केबाजी, वॉलीबॉल और पिटू सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। खण्ड विकास अधिकारी बहादुराबाद मानस मित्तल ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि इच्छुक प्रतिभागियों से आवश्यक अभिलेखों के साथ सुबह आठ बजे दयानन्द स्टेडियम में अनिवार्य रूप से पहुंचने की अपील की है।

एशियन गेम्स: हमें जापान में रहने की कोई दिक्कत नहीं हुई : ऋचा घोष

निशिन, एजेंसी। जापान में आयोजित एशियन गेम्स से कई टीमों द्वारा व्यवस्था में कमी की खबरें सोशल मीडिया के माध्यम से आई हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने कहा कि हमें जापान में रहने की कोई दिक्कत नहीं हुई। भारत ने शुक्रवार को जापान को हराकर एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। जापान के खिलाफ मैच में जीत के बाद ऋचा घोष ने कहा, “हमें अभी तक किसी दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ा। यह एक नया अनुभव है क्योंकि आप दूसरे खिलाड़ियों से भी मिल सकते हैं। मैच भी होते हैं।

कोलंबिया की नई टीम से लुइस डियाज बाहर

बोगोटा, एजेंसी। बर्मिंघम सिटी के मिडफील्डर जॉन सोलिस और जेनित सेंट पीटर्सबर्ग के डिफेंडर केविन एंड्रेंड उन 11 अनकेण्ड खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें गुरुवार को अमेरिका में मेक्सिको, पैराग्वे और पेरू के खिलाफ मैत्री मैचों के लिए कोलंबिया की टीम में शामिल किया गया। दूसरे नए खिलाड़ियों में गोलकीपर एल्डेयर विक्टाना, डिफेंडर गेजर कैसेडो, मिडफील्डर डेनियल आर्किला और फॉरवर्ड कैमिलो डुयान शामिल हैं। मैनेजर नेरेटर लोरेजो ने स्थानीय क्लब एटलेटिको नेग्रानल से दो खिलाड़ियों, लेफ्ट-बैक सैमुअल वेलास्केज और मिडफील्डर जुआन मैनुअल रेंगिगो को भी मौका दिया। लोरेजो ने बोगोटा में कहा, “कोई भी हमेशा टीम में नहीं रहता है और न ही हमेशा बाहर रहता है। चाहे वे युवा हों या बूढ़े, इस प्रक्रिया का हिस्सा रहे सभी लोग जानते हैं कि उन्हें मुकाबला करना है, और कोई भी टीम में आ सकता है या बाहर हो सकता है।”

मनु भाकर और तूर एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक

नागोया, एजेंसी। दो ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और शॉटपुट में गत चैम्पियन तेजिंदर पाल सिंह तूर को शुक्रवार को एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह के लिये भारत का ध्वजवाहक चुना गया। समारोह शनिवार को होना है। भारत के अभियान प्रमुख सहदेव यादव ने कहा, ‘‘ मनु भाकर एक ध्वजवाहक होंगा। बाद में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने पुष्टि की कि तूर दूसरे ध्वजवाहक होंगे। भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 में दो पदक जीते और एक ही कोई ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बन गई थी। तूर ने पिछले दो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं।

भारतीय हॉकी टीमों की नजर गोल्ड और ओलंपिक क्वालिफिकेशन पर

आइची-नागोया, एजेंसी।

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें 20वें एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। दोनों टीमें एक स्पष्ट लक्ष्य के साथ जापान पहुंची हैं – गोल्ड मेडल के लिए चुनौती देना और लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक खेलों के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करना। हॉकी प्रतियोगिता काकामिगहारा में खेली जाएगी, जिसमें भारतीय पुरुष टीम 20 सितंबर को इंडोनेशिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जबकि महिला टीम भी उसी दिन उज्बेकिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरेगी।

पुरुष टीम को इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान, बंगलादेश और श्रीलंका के साथ पूल ए में रखा गया है, जबकि



महिला टीम उज्बेकिस्तान, इंडोनेशिया, थाईलैंड, जापान और सिंगापुर के साथ पूल बी में है।

हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में अपने-अपने अभियानों के बाद दोनों टीमों के लिए एशियाई खेल और भी महत्वपूर्ण हो गए हैं। भारतीय पुरुष टीम वर्ल्ड कप में आठवें

स्थान पर रही, जबकि भारतीय महिला टीम ने पांचवां स्थान हासिल करके 52 वर्षों में अपना सर्वश्रेष्ठ वर्ल्ड कप प्रदर्शन किया। हालांकि, अलग-अलग नतीजों के बावजूद, इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में जाने के लिए दोनों टीमों का नजरिया एक जैसा है – वर्ल्ड कप से सीखें, जरूरी सुधार करें

नए कोच जॉर्ज जीसस की पहली पुर्तगाल टीम में शामिल हुए रोनाल्डो लिस्बन, एजेंसी।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो को नए मुख्य कोच जॉर्ज जीसस के नेतृत्व में पुर्तगाल की पहली टीम में शामिल किया गया है। 41 वर्षीय रोनाल्डो आगामी यूईएफए नेशंस लीग मुकाबलों के लिए टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं और कप्तान की भूमिका में बने रहेंगे।

रोनाल्डो ने इस गर्मी में होने वाले फीफा विश्व कप को अपना आखिरी विश्व कप बताया था, लेकिन उन्होंने अभी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की तारीख स्पष्ट नहीं की है। 2028 यूरोपीय चैंपियनशिप के दौरान उनकी उम्र 43 वर्ष होगी। जॉर्ज जीसस के पुर्तगाल का मुख्य कोच बनने के बाद घोषित यह पहली टीम है। जीसस ने रॉबर्टो मार्टिनेज के पद छोड़ने के बाद जिम्मेदारी संभाली है। 2026 फीफा विश्व कप के अंतिम-16 मुकाबले में स्पेन के हाथों पुर्तगाल की 0-1 की हार के बाद मार्टिनेज ने पद छोड़ दिया था।

जीसस इससे पहले सऊदी अरब के क्लब अल-नस्र में रोनाल्डो को कोच कर चुके हैं। दोनों ने पिछले सत्र में क्लब के साथ लीग खिताब जीता था। 72 वर्षीय जीसस को पुर्तगाल में लंबे कोचिंग अनुभव के लिए जाना जाता है। वह इससे पहले



बेनफिका और स्पोर्टिंग लिस्बन जैसे क्लबों की कमान संभाल चुके हैं।

पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता रोनाल्डो पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 146 गोल के साथ सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2016 में पुर्तगाल को यूरोपीय चैंपियनशिप का खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और इसके बाद भी वह राष्ट्रीय टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में बने हुए हैं। पुर्तगाल अपने नेशंस लीग अभियान की शुरुआत 24 सितंबर को घरेलू मैदान पर वेल्स के खिलाफ करेगा। इसके तीन दिन बाद टीम नॉर्वे के खिलाफ उसके मैदान पर उतरेगी। इसके बाद पुर्तगाल 1 अक्टूबर को डेनमार्क के खिलाफ उसके घरेलू मैदान पर खेलेगा, जबकि 4 अक्टूबर को नॉर्वे की मेजबानी करेगा।

हार्दिक पांड्या पूरी तरह फिट नहीं हैं : गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अभी वनडे में अपने पूरे 10 ओवर फेंकने के लिए फिट नहीं हैं। उन्हें जल्दीबाजी में भारतीय टीम में नहीं लाया जाएगा।

हार्दिक पांड्या इंजरी की वजह से आईपीएल 2026 के बाद से ही क्रिकेट से दूर हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 50 ओवर की सीरीज के लिए भारत ए टीम में चुना गया है, लेकिन उनका खेलना बेगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से मिलने वाली फिटनेस क्लियरेंस पर निर्भर है। हार्दिक पांड्या के फिट नहीं होने की वजह से ही नितिशा कुमार रेड्डी को एशियन गेम्स की टीम से बाहर करते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली सीरीज में टीम में शामिल किया गया है।

भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, “सबसे पहले, नितिशा के नजरिए से, यह वास्तव में एक अच्छी बात है कि उन्हें टी20 फॉर्मेट से हटा दिया गया



है। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने का समय मिलेगा। हम जानते हैं कि शायद एक साल में जब हम दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया जाएंगे तो तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अहम होंगे।”

उन्होंने कहा, “एक बार हार्दिक वापस आ जाएगा, तो जाहिर है यह अच्छा होगा। कभी-कभी हम उन दोनों को प्लेइंग 11 में भी खिला सकते हैं। हार्दिक इस समय 10 ओवर नहीं फेंक सकता है। आईपीएल के बाद से उन्होंने क्रिकेट नहीं खेला है। इसलिए हम उसे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में धकेलना नहीं चाहते क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट आपके शरीर के लिए भी बहुत

कठिन हो सकता है।”

गंभीर ने कहा, “हार्दिक अगर भारत ए के लिए खेलते हैं और सबकुछ ठीक रहता है तो वह टी20 और वनडे टीम का हिस्सा बन सकते हैं। इस बीच नितिश को भी ज्यादा खेलने को मिलेगा, क्योंकि उसने भी आईपीएल के बाद से ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है।

नितिश रेड्डी इंजरी की वजह से आयरलैंड, इंग्लैंड और जिम्बाब्वे सीरीज का हिस्सा नहीं थे। अफगानिस्तान सीरीज में वापसी करते हुए अपनी गेंदबाजी से उन्होंने प्रभावित किया है। रेड्डी सीरीज के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

डेविस कप

अब भारत को नॉकआउट चरण में पहुंचने के लिए अंतिम दिन के तीनों मैच जीतने होंगे

नागल और सुरेश की हार से भारत कोरिया से 0-2 से पीछे

सियोल, एजेंसी।

भारत की डेविस कप के अंतिम आठ में पहुंचने की उम्मीदें उस समय धूमिल पड़ गई जब दक्षिणेश्वर सुरेश और सुमित नागल अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और उन्हें शुक्रवार को टीम से बाहर करते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली सीरीज में टीम में शामिल किया गया है।

दक्षिणेश्वर ने अच्छी शुरुआत की लेकिन लय कायम नहीं रख सके और दक्षिण कोरिया के सून वू क्वोन ने उन्हें 3-6, 6-3, 6-4 से हरा दिया। भारत को वापसी दिलाने की जिम्मेदारी भारत के नंबर एक खिलाड़ी नागल पर थी, लेकिन उन्हें



भी अच्छी शुरुआत के बावजूद तीन घंटे से अधिक चले मैच में अनुभवी ह्योन चुंग से 6-2, 4-6, 5-7 से हार का सामना करना पड़ा।

चुंग ने धैर्य दिखाया और सबसे महत्वपूर्ण समय पर अंक अर्जित किए। क्वोन ने अपने घरेलू मैदान पर डेविस कप का कोई भी मैच नहीं

हार है और यह सिलसिला जारी रहा।

अब भारत को नॉकआउट चरण में पहुंचने के लिए अंतिम दिन के तीनों मैच जीतने होंगे, जो भारत के इतिहास में केवल दो बार हुआ है (2010 में घरेलू मैदान पर ब्राजील के खिलाफ और 2018 में चीन के

खिलाफ उसकी धरती पर)। नागल ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और अपने फोरहैंड शॉट्स का अच्छा इस्तेमाल किया। इस बीच चुंग ने कई गलतियां की जिससे भारतीय खिलाड़ी को आसानी से अंक मिले। भारतीय खिलाड़ी ने पहले ही गेम में चुंग की सर्विस तोड़कर वैसे ही शुरुआत की जैसी उन्हें चाहिए थी।

कोरियाई खिलाड़ी ने नागल को दोहरा ब्रेक तक दिया जब उन्होंने बैकहैंड शॉट बाहर मार दिया। इस तरह से भारतीय खिलाड़ी ने देह खते 4-0 की बढ़त बना ली।

चुंग ने छठे गेम में ब्रेक ब्वाइट लिया, लेकिन नागल को पहला सेट जीतने में किसी तरह की परेशानी

में बदला जाए। अब हमें यही करना है।

हमने हर चीज पर चर्चा की है, हर पहलू को देखा है और उन क्षेत्रों की पहचान की है जिनमें सुधार की जरूरत है। साथ ही, अब बात काम करने की है।

भारतीय पुरुष टीम मौजूदा एशियाई चैंपियन के तौर पर टूर्नामेंट में उतर रही है, क्योंकि उन्होंने राजगीर में 2025 का मेन्स एशिया कप जीता था। उनके एशियाई रिकॉर्ड में चार एशियाई खेलों के गोल्ड मेडल शामिल हैं, जिनमें से सबसे हालिया जीत 2023 में हांगझाऊ में मिली थी। भारत अपने पूल ए अभियान की शुरुआत 20 सितंबर को सुबह 11:30 बजे इंडोनेशिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद वे 22 सितंबर को श्रीलंका, 24 सितंबर को दक्षिण कोरिया, 26 सितंबर को जापान और 28 सितंबर को बंगलादेश का सामना

करेंगे।

वहीं, भारतीय महिला टीम हॉकी महिला विश्व कप 2026 में ऐतिहासिक रूप से पांचवें स्थान पर रहने के बाद काफी जोश के साथ एशियाई खेलों में उतर रही है – यह टूर्नामेंट में पांच दशकों से भी ज्यादा समय में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन था। टीम ने मुख्य कोच शुअर्ड मरिने के नेतृत्व में पांच सिरों से विकास किया है। मरिने इस साल की शुरुआत में भारतीय महिला टीम के साथ फिर से जुड़े और जनवरी 2026 में उन्हें मुख्य कोच नियुक्त किया गया।

कप्तान सलीमा टेटे की अगुवाई में, भारतीय महिला टीम 2026 एशियाई खेलों में जीते हुए ब्रॉन्च मेडल से बेहतर प्रदर्शन करने और अपना दूसरा एशियाई खेलों का गोल्ड मेडल जीतने की कोशिश करेगी।

जूनियर चयन समिति में भी भरने हैं पांच पद

बीसीसीआई के सामने सिर्फ सीनियर चयन समिति का मुद्दा नहीं है। बोर्ड जूनियर चयन समिति के सभी पांच पदों को भी भरने की तैयारी में है। ऐसे में आने वाले समय में चयन व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले देखने को मिल सकते हैं। अगरकर को जुलाई 2023 में पुरुष सीनियर चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। बीसीसीआई के आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक, उनके साथ उस समय शिव सुंदर दास, सुब्रतो बनर्जी, सलिल अंकोला और श्रीधरन शरथ चयन समिति में शामिल थे।

भूमिका को लेकर चर्चा मार्च 2026 से ही समय-समय पर होती रही है। चूँकि पार्थिव को सक्रिय क्रिकेट से संन्यास लिए पांच साल से अधिक समय हो चुका है, इसलिए वह बीसीसीआई के पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं। इसी वजह से उन्हें अजीत अगरकर की जगह लेने के लिए एक मजबूत दावेदार माना जा रहा है, यदि बोर्ड चयन पैनल में बदलाव करने का फैसला करता है। अजीत अगरकर 3 सितंबर को हुई एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में शामिल नहीं हो पाए थे, क्योंकि उस समय वह ऐसे स्थान पर थे जहां इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। हालांकि, इसके बाद अगरकर नई दिल्ली के अरुण जेटली

स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेली गई टी20 सीरीज के मैचों में नजर आए। इस दौरान वह अपनी चयन समिति के अन्य सदस्यों काफी सिंह और अजय रात्रा के साथ मौजूद थे।

वहीं, मंगलवार को खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी स्टेडियम में मौजूद थे। उनके साथ आईसीसी चेयरमैन जय शाह, बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के अधिकारी भी उपस्थित रहे। इससे यह संकेत मिला कि दोनों क्रिकेट बोर्डों के बीच अच्छे संबंध और संवाद जारी हैं।

रांची में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

भारत अंडर-19 टीम की जीत में चमके द्रविड़ और सहवाग

राजकोट, एजेंसी।

अन्वय द्रविड़ और आर्यवीर सहवाग की तूफानी पारियों तथा यशवर्धन चौहान के शानदार अर्धशतक की मदद से भारत की अंडर-19 टीम ने बारिश से प्रभावित युवा वनडे मैच में शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 पर सात रन से रोमांचक जीत हासिल की।

बारिश के कारण यह मैच 20-20 ओवर का कर दिया गया। चौहान ने 34 गेंदों में 54 रन जबकि पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय ने मात्र 18 गेंदों में 38 रन बनाए। इससे भारत छह विकेट पर 182 रन बनाने में सफल रहा।

इस मैच में वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने अंडर-19 में पदार्पण भी किया। उन्होंने 26 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 28 रन बनाए, जबकि उनके पिता उन्हें खेलते हुए देख रहे थे।

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 की टीम सात विकेट पर 175 रन ही बना पाई। एक समय वह लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में दिख रही थी लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने उसकी यह मंशा पूरी नहीं होने दी। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कप्तान को चोत्सेनक ने 27 गेंदों में 55 रन बनाए।

सलामी बल्लेबाज नील पटेल (31 गेंदों में 45 रन) और हेडन बारबुलोविक (24 गेंदों में 40 रन) ने ऑस्ट्रेलिया को शानदार शुरुआत दी, जिसके बाद चोत्सेनक ने पारी को कायम संभाला।

हालांकि 19वें ओवर में चोत्सेनक के आउट होने से मेहमान टीम को जीत हासिल करने की उम्मीदें खत्म हो



गई। चौहान ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाया और चार ओवर में 28 रन देकर दो विकेट लिए।

इससे पहले छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए अन्वय ने अपनी बलिस्फोटक पारी में दो चौके और तीन छक्के जड़े। भारत का स्कोर एक समय चार विकेट पर 88 रन था लेकिन अन्वय की शानदार पारी से वह चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रहा।

चौहान ने पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 54 रन की शानदार पारी खेली। चौहान और अन्वय ने 69 रन की साझेदारी की। भारत ने अपने अंतिम 10 ओवरों में 108 रन बनाए।

इससे पहले आर्यवीर ने भारत अंडर-19 टीम के लिए अपने पदार्पण मैच में पारी की शुरुआत करते हुए कप्तान लक्ष्य रायचंदानी के साथ 45 रन की साझेदारी की।

आर्यवीर के पदार्पण ने काफी सुर्खियां बटोरीं। सहवाग भी अपने बेटे को देखने के लिए स्टेडियम में मौजूद थे।

कम उछाल वाले कोर्ट पर चुंग ने मुझा से बेहतर खेल दिखाया: नागल

सियोल, एजेंसी। भारत के सुमित नागल ने गेंद के कम उछाल को अपनी परेशानी की वजह करार देते हुए माना कि कोरिया के खिलाफ डेविस कप मुकाबले में शुक्रवार को ह्योन चुंग उनसे बेहतर खिलाड़ी साबित हुए।

वापसी कर रहे दक्षिण कोरिया के खिलाड़ी ने तीन घंटे तक चले कड़े मुकाबले में नागल को 6-4, 4-6, 7-5 से हराकर अपनी टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी। इससे पहले दक्षिणेश्वर सुरेश को सूनवू क्वोन ने 6-3, 3-6, 4-6 से हराया था। मैच के बाद नागल ने कहा, ‘‘यह लंबा दिन था। मुझे कड़े मुकाबले की उम्मीद थी और मुकाबला वैसा ही रहा। दूसरे सेट में मेरे पास मौके थे, लेकिन मैं उन्हें भुना नहीं सका।

गुरु रंधावा का नया गाना ‘2 आइज’ रिलीज ,बोले-दो आंखें प्यार की गहराई दिखावे के लिए काफी नहीं



गायक गुरु रंधावा ने निकिता दत्ता के साथ अपना नया रोमांटिक सॉन्ग ‘2 आइज’ रिलीज कर दिया है। अपने गाने को लेकर गायक का कहना है कि यह गाना बताता है कि कभी आंखें प्यार की पूरी गहराई या किसी इंसान की खूबसूरती को सही मायने में नहीं दिखा सकती। यह एक पंजाबी सॉन्ग गुरु रंधावा के पहले के गानों जैसे ‘बन जा रानी’ और ‘मून राइज’ की तरह सोलफुल और कहानी कहने वाले अंदाज में एक सोची-समझी

‘2 आइज’ शुरुआती प्यार और हैरानी के एहसास के बीच संतुलन बनाता है और दिल तोड़ देने वाले ट्विस्ट के साथ शानदार गायकी पेश करता है।

वापसी है। असल में यह गाना इसी सोच पर टिका है कि नज़रें अपने पार्टनर की असली खूबसूरती को पूरी तरह से देख पाने में बहुत छोटी पड़ जाती हैं।

म्यूजिक वीडियो गुरु के क्रिकेट का कैजुअल गेम खेलने से शुरू होता है, जब एक भटका हुआ शॉट एक खूबसूरत राहगीर के साथ क्लासिक मीट-न्यूट की ओर ले जाता है, जिसे निकिता दत्ता ने आसानी से निभाया है।

वह एक परियों की कहानी जैसे सपनों में खो जाता है, खुद को उसका अल्टीमेट पार्टनर समझता है और उसका ड्रीम मैन बनने के लिए सब कुछ करता है। हालांकि यह रिलैक्स्ड फैंटेसी जल्द ही हकीकत में बदल जाती है जब उसे पता चलता है कि जिस औरत से वह प्यार कर रहा है, वह देख नहीं सकती।

गुरु रंधावा ने गाने को लेकर कहा, ‘यह गाना इस बारे में है कि हमारी आंखें प्यार या किसी की खूबसूरती को पूरी गहराई को कभी नहीं दिखा सकती।’

भारतीय अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु जल्द मां बनने वाली हैं। अभिनेत्री के घर गोद भराई की रस्स की गई, जिसकी खूबसूरत तस्वीरें उन्होंने सोमवार को शेयर कीं। ‘यशोदा’ की एक्ट्रेस ने इस मौके पर पीले रंग का एथनिक आउटफिट पहना था। इसके साथ ही खुले बाल और मिनिमलिस्टिक मेकअप किया था।

जल्द मां बनने वाली हैं एक्ट्रेस सामंथा रूथ प्रभु

गोद भराई की खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं



आगे बढ़ाई गई हैं, उसमें। ‘आरआरआर’ एक्टर राम चरण की पत्नी उपासना कामिनेनी कोनिडेला ने पोस्ट पर कमेंट किया, ‘बहुत प्यारा’। एक्ट्रेस नजरिया नाजिम ने भी कमेंट सेक्शन में रेड हार्ट इमोजी पोस्ट किया।

इन झलकियां में सामंथा के फिल्ममेकर पति राज निदिमोरू भी परिवार के अन्य सदस्यों के साथ इन समारोहों में हिस्सा लेते हुए दिखाई दिए। सामंथा ने अपनी हालिया रिलीज ‘मा इंडी बंगारम’ की सक्सेस मीट के दौरान अपनी प्रेग्नेसी की पुष्टि की थी। एक्ट्रेस ने कहा था कि ‘मा इंडी बंगारम’ के बाद अपनी हालत को देखते हुए मुझे थोड़ा ब्रेक लेना होगा। मुझे मैटरनिटी लीव लेनी होगी। उसके बाद मैं अपने फैसले के लिए एक और फिल्म के साथ वापसी करूंगी।’

तब से वह अपनी प्रेग्नेसी जर्नी की प्यारी तस्वीरें और पल इंटरनेट पर शेयर करती रही हैं। सामंथा ने दिसंबर 2025 में राज निदिमोरू से शादी की थी। माना जाता है कि यह कपल पहली बार ‘द फैमिली मैन 2’ की शूटिंग के दौरान मिला था।

इशिता दत्ता ने बच्चों के साथ किया गणपति सेलिब्रेशन, बोलीं- ‘उनकी खुशी इन पलों को और खास बना देती है’



‘दुश्मन’ एक्ट्रेस इशिता दत्ता अपने पति वत्सल सेठ और बच्चों वायु और वेदा के साथ गणपति उत्सव मना रही हैं। बच्चों के साथ त्योहार सेलिब्रेट करने को लेकर वह काफी एक्साइटेड हैं। उनका कहना है कि जब घर में बच्चे होते हैं तो त्योहार का मजा ही अलग हो जाता है। उनकी खुशी, उत्साह और मासूमियत पूरे सेलिब्रेशन को और खास बना देती है। इशिता ने पति वत्सल सेठ और बच्चों के साथ गणेश चतुर्थी मनाने के अनुभव को शेयर करते हुए कहा, ‘‘बच्चों के साथ त्योहार मनाने से हर चीज ज्यादा एक्साइटिंग लगती है। उनका उत्साह देखकर खुद भी त्योहार को लेकर खुशी और बढ़ जाती है। मुझे अच्छ लगता है कि मैं वायु और वेदा के साथ इन त्योहारों को सेलिब्रेट कर पाती हूं और उनके लिए इन मौकों को खास बना पाती हूं।’’ इशिता ने कहा, ‘‘आजकल हर कोई अपनी जिंदगी में काफी बिजी है। ऐसे में त्योहार एक ऐसा मौका बनकर आते हैं, जब परिवार के लोग अपनी रोजमर्रा की भागदौड़ से थोड़ा ब्रेक ले सकते हैं और साथ में क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं। मेरे लिए यही छोटे-छोटे फैमिली मोमेंट्स सबसे ज्यादा मायने रखते हैं।’’ गणेश चतुर्थी को लेकर अपनी फीलिंग्स बताते हुए इशिता ने कहा, ‘‘बप्पा का घर में आना मेरे लिए हमेशा से बहुत खास रहा है। गणपति बप्पा के आगमन के साथ घर का माहौल पॉजिटिव हो जाता है।

‘लोग चर्चा में रहने के लिए करते हैं ऐसे स्टंट’

रोहित रॉय के बयान पर भड़की इंदिरा कृष्णा



एक्ट्रेस इंदिरा कृष्णा ने टीवी को लेकर रोहित रॉय के हालिया बयान पर जमकर नाराजगी जाहिर की है। रोहित ने छोटे पर्दे को ‘डस्टबिन मीडियम’ बताया था और टीवी एक्टर्स को लेकर भी अपनी राय रखी थी। अब इंदिरा कृष्णा ने उनके इस बयान पर खुलकर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जिस मीडियम ने इतने सालों तक एक्टर्स को काम, पहचान और दर्शकों का प्यार दिया, उसे इस तरह कमतर बताना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि कई बार लोग चर्चा में बने रहने के लिए ऐसे स्टंट करते हैं, खासकर तब जब लोग उन्हें भूलने लगते हैं। इंदिरा ने आईएनएस से बातचीत में रोहित रॉय के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ‘‘टीवी जैसे मीडियम के लिए ‘डस्टबिन’ शब्द का इस्तेमाल करना बेहद खराब है। खासकर ऐसे दिग्गज एक्टर की तरफ से, जो खुद इसी मीडियम से आया है। टीवी ने कई स्किल्ड एक्टर्स को काम करने और अपनी कला दिखाने का मंच दिया है। टीवी को कमतर समझना ठीक नहीं है, क्योंकि इसी मीडियम से निकलकर कई बड़े डायरेक्टर फिल्मों तक पहुंचे हैं।’’

उन्होंने आगे कहा, ‘‘ऐसे बहुत से पॉपुलर डायरेक्टर हैं, जिन्होंने टीवी पर शानदार शोज बनाने के बाद फिल्मों का रुख किया। हर किसी की अपनी राय होती है। मेरे लिए टेलीविजन सिर्फ काम करने की जगह नहीं, बल्कि सम्मान और रोजी-रोटी का जरिया भी है। यह मेरे लिए मेरी इज्जत है। रोहित रॉय के बयान पर बस इतना कहना चाहूंगी कि यह उनका नजरिया है और वह उस पर कायम रह सकते हैं।’’

इंदिरा ने कहा, ‘‘कई बार जिन लोगों को लोग भूलने लगते हैं, वे चर्चा में बने रहने के लिए ऐसे स्टंट करते हैं। शायद रोहित रॉय भी उन्हीं में से एक है। मेरे लिए तो टीवी की सबसे बड़ी ताकत उसकी पहुंच है। टीवी हर घर तक पहुंचता है और एक्टर्स को दर्शकों से रोज जुड़ने का मौका देता है। कोई दूसरा मीडियम इस तरह की रोज की कनेक्शन वाली जगह आसानी से नहीं बना पाता।’’

उन्होंने कहा, ‘‘इतने सालों तक टीवी का हिस्सा रहने के बाद उसी मीडियम को नीचा दिखाना निराशाजनक है। जिस प्लेटफॉर्म ने किसी को पहचान दी है, उसका सम्मान करना भी जरूरी है।’’

बता दें कि इंदिरा कृष्णा खुद टीवी की जानी-पहचानी एक्ट्रेस हैं और उन्होंने लंबे समय तक छोटे पर्दे पर काम किया है। ‘कृष्णाबेन खाखरावाला’, ‘कृष्णादासी’, ‘कहानी घर घर की’, ‘सावी की सवारी’, ‘ध्रुव तारा-समय सदी से परे’ और ‘दुर्गा-अटूट प्रेम कहानी’ जैसे शोज में उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए।

उन्होंने फिल्मों में भी अपनी पहचान बनाई है। उनका फिल्मी डेब्यू 1995 में ओडिया फिल्म ‘सुना पांजुरी’ से हुआ था, जिसमें वह सिद्धांत महापात्रा के साथ नजर आई थीं। फिल्म में उन्होंने पूजा का किरदार निभाया था और यह उस साल की बड़ी म्यूजिकल हिट साबित हुई थी। इसके बाद वह ‘त्रिशक्ति’ और मिथुन चक्रवर्ती के साथ ‘आज का रावण’ में नजर आईं।

मुंबई जहां गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर देशभर में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है, वहीं इस खास मौके पर मुंबई स्थित अंबानी परिवार के गणेश उत्सव में भी कई फिल्मी सितारों ने शिरकत की और गणपति बप्पा के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया।

अंबानी परिवार के गणेश उत्सव में पहुंचे एटली-प्रिया, जाह्नवी कपूर, ओरी और वीर पहाड़िया

लिया गणपति बप्पा का आशीर्वाद



प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक एटली अपनी पत्नी प्रिया एटली के साथ अंबानी परिवार के गणपति समारोह में पहुंचे। दोनों पारंपरिक परिधान में नजर आए और उन्होंने श्रद्धापूर्वक गणपति बप्पा के दर्शन किए। इस दौरान एटली और प्रिया ने उपस्थित लोगों से भी मुलाकात की।

वहीं बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर भी इस भव्य गणेश उत्सव का हिस्सा बनीं। एथनिक लुक में सजी जाह्नवी ने गणपति बप्पा के चरणों में माथा टेककर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उनकी मौजूदगी ने समारोह की रौनक और बढ़ा दी। सोशल मीडिया संसेशन ओरी (ओरहान अवत्रामणि) भी इस अवसर पर गणपति दर्शन के लिए पहुंचे।

अपने खास अंदाज और स्टाइलिश लुक में नजर आए ओरी ने गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया और उत्सव में शामिल होकर सभी का ध्यान आकर्षित किया। अभिनेता वीर पहाड़िया भी इस अवसर पर गणपति दर्शन के लिए पहुंचे। पारंपरिक अंदाज में नजर आए वीर ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ बप्पा का आशीर्वाद लिया। हाल ही में अपनी आगामी फिल्म ‘प्रेम की टाणु’ को लेकर चर्चा में रहे अभिनेता की उपस्थिति ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

हर साल की तरह इस बार भी अंबानी परिवार का गणेश उत्सव सितारों और श्रद्धालुओं का केंद्र बना रहा। फिल्म, खेल और व्यापार जगत की कई जानी-मानी हस्तियां यहां बप्पा के दर्शन के लिए पहुंचीं। इस अवसर पर भक्ति, आस्था और उत्सव का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां सभी ने गणपति बप्पा से सुख, समृद्धि और मंगलकामनाओं का आशीर्वाद मांगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, पवन कुमार द्वारा बी-46, गली नं.-7 हरिजन बस्ती, पश्चिम ज्योति नगर एन्क्लेव, दिल्ली-110094 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।

किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। सम्पादक : पवन कुमार RNI NO.- DELHIN/2014/57983